इंटरनेट पर देखें
www.dainikdawa.com

संस्कारधानी से प्रकाशित मध्यभारत व छत्तीसगढ़ अंचल का सर्वप्रसारित लोकप्रिय हिंदी समाचार पत्र

भारत सरकार व छत्तीसगढ़ शासन से विज्ञापन के लिए अधिकृत

दैनिक प्रातः संस्करण

"यो आत्मानं वेत्ति, सर्वं स वेत्ति"।।

दावा

सम्पादक - दीपक कुमार बुद्धदेव

आर.एन.आई.नं. 58841/93
डाक पंजीयन छ.ग./दुर्ग/14/2024-26

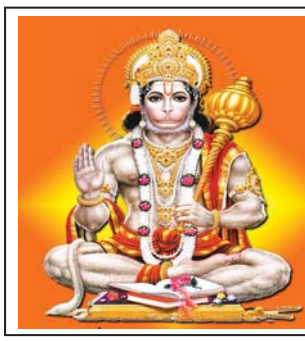

वर्ष- 43 अंक -156 राजनांदगांव, मंगलवार 23 अप्रैल 2024 पृष्ठ - 8 मूल्य - 4.00 रुपए

'ये सत्ता में आए तो आपका घर-गाड़ियां और सोना छीनकर बांट देंगे...' : कांग्रेस पर पीएम मोदी ने फिर किए वार

अलीगढ़। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजस्थान के बांसवाड़ा के बाद सोमवार को उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में कांग्रेस को लेकर एक बार फिर से विवादास्पद बयान दिया. पीएम मोदी ने आरोप लगाया कि 'विपक्षी दल की नजर भारतीयों की संपत्ति पर है. वह इसे लूटना चाहता है. अगर कांग्रेस सत्ता में आ गए, तो आपका घर, गाड़ियां और सोना छीनकर बांट देंगे.'

पीएम मोदी ने अलीगढ़ सीट से बीजेपी प्रत्याशी सतीश गौतम और हाथरस से अनूप वाल्मीकि के समर्थन में रैली की. पीएम मोदी ने कहा कि इंडी अलायंस के सदस्यों ने भविष्य के लिए सारी उम्मीदें खो दी हैं. उन्होंने कहा, 'वे सवाल करते हैं कि मोदी विकसित भारत की बात क्यों करते हैं, वह भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने की बात क्यों करते हैं? ये लोग अपने परिवार और सत्ता के लालच के अलावा कुछ नहीं करते हैं. वे लोगों को धोखा देते हैं.

प्रधानमंत्री ने कहा, 'मैं देश को कांग्रेस के घोषणापत्र से आगाह करना चाहता हूं. कांग्रेस और इंडी गठबंधन की नजर अब आपकी आय, आपकी संपत्ति पर है.' उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी का परोक्ष रूप से जिक्र करते हुए कहा, कांग्रेस के युवराज ने कहा है कि अगर उनकी सरकार बनी, तो वे इसकी

जांच कराएंगे कि कौन कितना कमाता है, कितनी संपत्ति का मालिक है और कितने मकान का मालिक है. वह यह भी कहते हैं कि सरकार इसका नियंत्रण लेगी.

मोदी ने कहा, 'इंडी गठबंधन की नजर आपकी संपत्ति पर है. नौकरी-पेशा वाले लोगों ने अपने बच्चों के भविष्य के लिए जो एफडी करवाई है, वे लोग उसकी भी जांच कराने की बात कर रहे हैं. कांग्रेस इसका सर्वे कराएगी. फिर सरकार के नाम पर कब्जा करेगी. यह आपकी संपत्ति को छीनकर बांटने की बात कर रही है. कांग्रेस यहां तक जाएगी कि आपके गांव में पैतृक घर है, तो यह लोग उसे दो घर बताकर छीन लेंगे.'

अलीगढ़ ने बंद किया ऐसा ताला, शहजादों को नहीं मिल रही चाबी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 'पिछली बार जब अलीगढ़ आया था, तब अनुरोध किया था कि सपा और कांग्रेस के परिवारवाद, भ्रष्टाचार और तुष्टीकरण की फैक्ट्री में अलीगढ़ का ताला लगा दीजिए. आपने ऐसा मजबूत ताला लगाया कि दोनों शहजादों को आज तक इसकी चाबी नहीं मिल रही.'

पीएम मोदी ने कहा, कांग्रेस के लोग कहेंगे कि आपके पास गांव में तो एक घर पहले से ही है. इनकी यह सोच माओवादियों और कम्युनिस्टों की है. कांग्रेस और इंडी गठबंधन इसे भारत में लागू करना चाहती है. आपकी संपत्ति पर कांग्रेस अपना पंजा मारना चाहती है.

कांग्रेस ने चुनाव आयोग से की शिकायत

इस बीच कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी समेत एक डेलीगेशन ने बांसवाड़ा में दिए गए पीएम मोदी के बयान को लेकर चुनाव आयोग से शिकायत की. डेलीगेशन ने कुल 17 शिकायतें की हैं, जो गंभीर हैं. कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि मैनिफेस्टो की कॉपी हमारे पार्टी नेताओं और लोकसभा उम्मीदवारों की तरफ से प्रधानमंत्री को भेजी जाएंगी. कांग्रेस ने ये भी कहा कि पार्टी चुनाव आयोग में एक लाख लोगों के दस्तखत कराकर एक याचिका भी दायर करेगी.

राष्ट्रपति ने वेंकैया नायडू सहित 67 हस्तियों को पद्म पुरस्कारों से सम्मानित किया

नई दिल्ली। द्रौपदी मुर्मु ने सोमवार को राष्ट्रपति भवन में पद्म पुरस्कारों से प्रमुख हस्तियों को सम्मानित किया। पूर्व राष्ट्रपति वेंकैया नायडू को पद्म विभूषण से सम्मान दिया गया। बिंदेश्वर पाठक को मरणोपरांत पुरस्कार मिला है। श्रीमती मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित अलंकरण समारोह में तीन पद्म विभूषण, आठ पद्म भूषण और 56 पद्म श्री पुरस्कार प्रदान किए। पद्म विभूषण से सिद्ध भरतनाट्यम नृत्यांगना पद्मा सुब्रमण्यम को राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु ने सम्मानित किया। अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती, गायिका उषा उत्थुप, उत्तर प्रदेश के पूर्व राज्यपाल राम नाइक और उद्योगपति सीताराम जिंदल को राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु ने पद्मभूषण से सम्मानित किया।

राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु के नेतृत्व में हुए इस समारोह में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह व विदेश मंत्री एस जयशंकर मौजूद रहे। इस समारोह में आधी हस्तियों को ही पुरस्कार सौंपे गए हैं। अब आधी हस्तियों को अगले सप्ताह पुरस्कार दिया जाएगा।

2024 में 132 पद्म पुरस्कार

2024 में 132 पद्म पुरस्कार दिए गए हैं, जिसकी मंजूरी राष्ट्रपति ने दी थी। पांच हस्तियों को पद्म विभूषण, 17 को पद्म भूषण और 110 को पद्म श्री पुरस्कार दिया गया है।

राजोरी में आतंकी हमला, दहशतगर्दों ने सरकारी अफसर को मारी गोली; मौत

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के राजोरी में सोमवार रात आतंकी हमले की खबर है। जानकारी के मुताबिक आतंकियों ने एक शख्स को गोली मार दी। घटना को अंजाम देकर दहशतगर्द मौके से फरार हो गए हैं। पीड़ित को पुलिस ने इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

जानकारी मिलते ही मौके पर सुरक्षाबलों की टीम पहुंच गई है और आतंकियों को पकड़ने के लिए पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी है। बताया जा रहा है कि आतंकियों मृतक को नजदीक से गोली मारी थी। मृतक की पहचान मोहम्मद रज्जाक के तौर पर हुई है। पुलिस ने बताया कि मृतक समाज कल्याण विभाग में जूनियर असिस्टेंट के पद पर तैनात था और राजोरी में तैनात था।

एक सप्ताह के अंदर दूसरा आतंकी हमला

इससे पहले 17 अप्रैल को दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग आतंकियों ने कायराना हरकत की थी। जिसमें आतंकियों ने बिहार के युवक की ताबड़तोड़ गोलियां बरसाकर हत्या कर दी थी। लक्षित हत्या की यह वारदात लोकसभा चुनाव के बीच जबलीपोरा इलाके में हुई थी। युवक राजू शाह जबलीपोरा में परिवार के साथ किराए पर रहता था और पकौड़े की रेहड़ी लगाता था।

कश्मीर में आतंकी लक्षित हत्या के तहत लगातार गैर कश्मीरियों को निशाना बना रहे हैं। अनंतनाग में बिहार निवासी राजू की हत्या इस साल का गैर कश्मीरियों पर तीसरा हमला है। 7 फरवरी को श्रीनगर में आतंकियों ने पंजाब के अमृतसर निवासी अमृतपाल सिंह व रोहित मशी की गोली मारकर हत्या कर दी थी। हमले में रोहित घायल हुआ था जिसने आठ फरवरी को दम तोड़ दिया था। 8 अप्रैल को लोकसभा चुनाव के बीच ही आतंकियों ने शोपियां जिले में गैर कश्मीरी कैब चालक परमजीत सिंह को गोली मारकर घायल कर दिया था। अब 17 अप्रैल को आतंकियों ने तीसरी घटना को अंजाम दिया है।

लाल आतंक से मुक्त होगी धरती, अमित शाह की नक्सलियों को सीधी चेतावनी, सरेंडर कर दो वरना मिटा देंगे नामो निशान

कांकेर। भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में प्रचार करने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज कांकेर पहुंचे हुए थे। कांकेर के नरहरदेव मैदान में अमित शाह ने सभा को संबोधित किया। इस दौरान अमित शाह नक्सलियों को सीधी चेतावनी देते नजर आए। अमित शाह ने सभा को संबोधन करते हुए कहा कि मोदी की सरकार फिर से बनवाइए हम दो साल में नक्सलवाद का नामो निशान मिटा देंगे। शाह ने मंच से नक्सलियों को चेतावनी देते हुए कहा कि अभी भी समय है सरेंडर कर दो नहीं तो परिणाम बहुत बुरा होगा। अमित शाह ने कहा कि पीएम मोदी ने देश मे आतंकवाद समाप्त कर दिया है

अब नक्सलवाद अपनी अंतिम सांसे गिन रहा है।

दरअसल खैरागढ़ में 16 मार्च को अमित शाह चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा था कि नक्सलवाद दो साल में समाप्त कर देंगे उसके बाद ही 16 अप्रैल को कांकेर के छोटेबेठिया थाना अंतर्गत हापाटोला के जंगल में सुरक्षा बल के जवानों ने 29 नक्सलियों को एनकाउंटर में मार गिराया था।

दो साल में छत्तीसगढ़ होगा नक्सल मुक्त

अमित शाह ने नक्सलवाद पर गरजते हुए कहा कि कांग्रेस की सरकार में नक्सलवाद पर नकेल नहीं कसा जा सका, लेकिन मौजूदा समय में बीजेपी की नई सरकार ने नक्सलियों से निपटने के लिए नया प्लान तैयार किया। सीएम विष्णुदेव साय और गृहमंत्री विजय शर्मा ने पद संभालते ही चार महीनों में ही 90 से ज्यादा नक्सलियों का सफाया हो चुका है। केंद्र में यदि तीसरी बार मोदी जी की सरकार आई तो दो साल के अंदर (शेष पृष्ठ 6 पर...)

भूपेश बघेल जैसे दागदार चेहरे को प्रत्याशी बनाकर कांग्रेस ने राजनांदगांव का चुनाव आसान कर दिया है- विष्णुदेव साय

राजनांदगांव (दावा)। राजनांदगांव प्रवास के दौरान रोड शो में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने भूपेश बघेल जैसे दागदार चेहरे को प्रत्याशी बनाकर राजनांदगांव का चुनाव बेहद आसान कर दिया है। राजनांदगांव सीट वैसे भी भाजपा जीत रही थी परन्तु कांग्रेस ने जिस प्रकार सरकार से संगठन तक भ्रष्टाचार के आरोप झेल रहे, छत्तीसगढ़ में शराब घोटाला, गोबर घोटाला, राशन घोटाला, कोयला घोटाला, महादेव सट्टा एप घोटाला एवं डीएम घोटाला करने वाले भूपेश बघेल को

राजनांदगांव से प्रत्याशी बनाकर राजनांदगांव में एक प्रकार से हथियार डालने का कार्य किया है।

श्री साय ने कहा की पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ की जनता का है, छीनने का कार्य किया है, छत्तीसगढ़ की जनता को धोखा देने का कार्य किया है, छत्तीसगढ़ की जनता भूपेश के नेतृत्व को नकार चुकी है और अब राजनांदगांव की जनता भी छत्तीसगढ़ प्रदेश की जनता को धोखा देने वाले भूपेश बघेल को भारी मतों से हरायेगी। भूपेश बघेल का राजनांदगांव से सौतेला व्यवहार जनता भूली नहीं है। इस दौरान जिला भाजपा अध्यक्ष रमेश पटेल, संतोष अग्रवाल, सचिन बघेल, राजेन्द्र गोलछा, रवींद्र सिंह, तरुण लहरवानी, पारूल्ल जैन, हकीम खान, गोलू गुप्ता, अरुण साहू, मूलचंद भंसाली, विजय राय, भानु साहू, राज सोनकर, चिंटू सोनकर, दीपेश गुप्ता सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता शामिल थे।

निर्विरोध लोकसभा चुनाव जीतने वाले भाजपा के पहले सांसद बने मुकेश दलाल

डिंपल यादव समेत 6 बड़े चेहरे भी इस लिस्ट में शामिल

नई दिल्ली। बीजेपी के मुकेश दलाल पिछले 12 साल में निर्विरोध लोकसभा चुनाव जीतने वाले पहले उम्मीदवार बन गए हैं. वह शायद भाजपा के पहले उम्मीदवार हैं जिन्होंने संसदीय चुनाव में निर्विरोध जीत हासिल की है. सात चरणों में चल रहे लोकसभा चुनाव में यह भारतीय जनता पार्टी की पहली जीत है. कांग्रेस ने नीलेश कुंभानी को सूरत लोकसभा सीट से अपना प्रत्याशी बनाया था. उनकी उम्मीदवारी एक दिन पहले खारिज कर दी गई थी, क्योंकि जिला रिटर्निंग अधिकारी ने प्रथम दृष्टया प्रस्तावकों के हस्ताक्षर में विसंगतियां

पाई थीं.

सूरत सीट पर अन्य सभी उम्मीदवारों ने सोमवार को अपना नामांकन वापस ले लिया, जिस कारण बीजेपी प्रत्याशी मुकेश दलाल निर्विरोध विजेता माना गया. हाल ही में अरुणाचल प्रदेश में हुए विधानसभा चुनावों में 10 भाजपा उम्मीदवार निर्विरोध जीते थे. 1951 में हुए पहले लोकसभा चुनाव से लेकर अब तक मुकेश दलाल सहित 35 उम्मीदवार ऐसे रहे हैं जिन्होंने बिना किसी चुनावी लड़ाई के संसदीय चुनाव जीते हैं. समाजवादी पार्टी की डिंपल यादव ने 2012 में कन्नौज लोकसभा उपचुनाव निर्विरोध जीता था.

निर्विरोध चुनाव जीतने वालों में कांग्रेसी सबसे ज्यादा

यह सीट उनके पति अखिलेश यादव के उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनने के बाद खाली हुई थी. संसदीय चुनाव में निर्विरोध जीत हासिल करने वाले अन्य प्रमुख नेताओं में वाईबी चव्हाण, फारूक अब्दुल्ला, हरे कृष्ण महताब, टीटी कृष्णामाचारी, पीएम सईद और एससी जमीर शामिल हैं. (शेष पृष्ठ 6 पर...)

छत्तीसगढ़ में पहली बार राजभवन में ठहरेंगे पीएम नरेंद्र मोदीः 2 दिन में लेंगे 3 चुनावी सभायें

रायपुर। छत्तीसगढ़ में दूसरे चरण में 26 अप्रैल को लोकसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में बीजेपी और कांग्रेस दोनों ही पार्टियों के ब? नेताओं का लगातार छत्तीसगढ़ दौरा हो रहा है। इसी क्रम में पीएम नरेंद्र मोदी दो दिवसीय दौरे पर छत्तीसगढ़ आ रहे हैं। पीएम मोदी 23 और 24 अप्रैल को छत्तीसगढ़ प्रवास पर रहेंगे। इस दौरान संभवतः पहली बार राजधानी रायपुर स्थित राजभवन में रात्रि विश्राम करेंगे। उनके आगमन को लेकर एडवायजरी जारी कर दी गई है।

पीएम मोदी दो दिन में छत्तीसगढ़ में तीन चुनावी सभाओं को संबोधित करेंगे। वे 23 और 24 अप्रैल को जांजगीर-चांपा, महासमुंद और सरगुजा में चुनावी सभायें लेंगे। प्रधानमंत्री मंगलवार दोपहर में हेलीकॉप्टर से रायगढ़ हवाई पट्टी पहुंचेंगे। वहां से जांजगीर-चांपा जिले के लिए प्रस्थान करेंगे। दोपहर करीब तीन बजे जांजगीर-चांपा लोकसभा क्षेत्र के बाराद्वार गांव में एक चुनावी सभा को संबोधित करेंगे। बीजेपी पदाधिकारियों ने बताया कि इसके बाद प्रधानमंत्री (शेष पृष्ठ 6 पर...)

'भयंकर खतरे में बाबासाहेब अंबेडकर का संविधान', सूरत में भाजपा के निर्विरोध जीत पर कांग्रेस ने बताई ये 'क्रोनोलॉजी'

नई दिल्ली। सूरत में बीजेपी के निर्विरोध जीत पर कांग्रेस ने निशाना साधते हुए बेडकर के संविधान को भयंकर खतरे में बताया है। गुजरात की सूरत लोकसभा सीट पर कांग्रेस उम्मीदवार का पर्चा निरस्त होने और निर्दलियों के नामांकन वापसी के बाद यहां बिना चुनाव के ही बीजेपी ने जीत दर्ज कर ली है। जिसके बाद कांग्रेस ने इसे फिक्स मैच बताते हुए बाबासाहेब अंबेडकर के संविधान को भयंकर खतरे में बताया है।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि क्रोनोलॉजी को समझाया है और बीजेपी पर निशाना साधा। जयराम रमेश ने कहा कि सूरत जिला चुनाव अधिकारी ने सूरत लोकसभा से कांग्रेस प्रत्याशी नीलेश कुंभानी का नामांकन रद्द कर दिया है। कारण ÷तीन प्रस्तावकों के हस्ताक्षर के सत्यापन में खामी÷ बताया गया है।

आगे कांग्रेस नेता ने कहा कि कुछ इसी तरह का कारण बताकर अधिकारियों ने सूरत से कांग्रेस के वैकल्पिक उम्मीदवार सुरेश पडसाला के नामांकन को खारिज कर दिया। कांग्रेस पार्टी बिना उम्मीदवार के रह गई है। बीजेपी प्रत्याशी मुकेश दलाल को छोड़कर बाकी सभी उम्मीदवारों ने अपना नामांकन वापस ले लिया है। 7 मई 2024 को मतदान से लगभग दो सप्ताह पहले ही 22 अप्रैल, 2024 को सूरत लोकसभा सीट से भाजपा के उम्मीदवार को 'निर्विरोध' जिता दिया गया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के अन्याय काल में एमएसएमई मालिकों और व्यवसायियों की परेशानियों एवं गुस्से को देखते हुए भाजपा इतनी बुरी तरह से डर गई है कि (शेष पृष्ठ 6 पर...)

कांग्रेस ने ईसी से की प्रधानमंत्री की शिकायत, मोदी के संपत्ति बांटने के बयान पर विपक्ष खफा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जयपुर में दिए संपत्ति के सर्वे व वितरण संबंधी बयान पर कांग्रेस ने चुनाव आयोग का दरवाजा खटखटाया और कार्रवाई की मांग की है। कांग्रेस ने आयोग से 140 पेज में 17 शिकायतें की हैं। इसमें सूरत से भाजपा उम्मीदवार के निर्विरोध चुने जाने पर आयोग से चुनाव निरस्त करने की भी मांग की। उधर, चुनाव आयोग ने राजस्थान में पीएम मोदी के भाषण पर टिप्पणी करने से इन्कार कर दिया।

कांग्रेस प्रवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने उम्मीद जताई है कि आयोग उनकी शिकायत पर कार्रवाई करेगा। उन्होंने कहा कि देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से (शेष पृष्ठ 6 पर...)

आवश्यकता है
दैनिक अखबार हेतु विज्ञापन मार्केटिंग कार्य के लिए कुशल युवक-युवतियों की
संपर्क समय- प्रातः 11 से दोपहर 3 बजे तक
संपर्क करें
दैनिक दावा बलदेव बाग, राजनांदगांव

जुमलेबाजों को कराएं वोट की ताकत का अहसास - भूपेश बघेल

राजनांदगांव (दावा)। राजनांदगांव लोकसभा के कांग्रेस प्रत्याशी भूपेश बघेल ने जनता से भाजपा को अपने वोट की ताकत का अहसास कराने का आव्हान किया है, भूपेश ने इस दौरान डबल इंजन सरकार के अधूरे वादों को लेकर भाजपा को खूब घेरा।

डोंगरगढ़ विधानसभा में अपने जनसम्पर्क कार्यक्रम के दौरान सोमवार को पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि 2014 में सरकार बनाने के पूर्व मोदी जी किसानों के लिए स्वामीनाथन कमेटी की रिपोर्ट लागू करने की बात किया करते थे, 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने की बात कहते थे लेकिन आज किसानों की आय के बजाए किसानों की लागत दोगुनी हो गई है, हर साल 2 करोड़ रोजगार का दावा करने वालों ने देश को दशकों की सर्वोच्च बेरोजगारी दर दी है, किसानों को 2 लाख तक के कर्ज माफ का वादा करने के बाद भी उनके कर्ज माफ नहीं हुए लेकिन अपने अपनी पूँजीपति मित्रों के लाखों करोड़ रुपए माफ कर दिए गए। इसी प्रकार छत्तीसगढ़ में भी किसानों को बोनस के नाम पर छला, भूमिहीन मज़दूरों को राश के नाम पर छला, युवाओं को बेरोजगारी भत्ता के नाम पर छला।

उन्होंने कहा कि भाजपा की राज्य सरकार ने किसानों को जहां अकाल के दौर का बोनस देकर झुनझुना पकड़ाया तो वहीं मजदूरों को सालाना 10,000 रूपये देने के वादे के बाद भी कांग्रेस सरकार में मिलने वाले 7,000 रुपए भी छीन लिए, एक ओर जहां युवाओं से 2500 रूपये मासिक का बेरोजगारी भत्ता छीन लिया तो वहीं गोबर खरीदी बंद कर महिलाओं से आय का स्त्रोत छीन लिया।

उन्होंने कहा कि भाजपा ने हर वर्ग को केवल और केवल बेवकूफ ही बनाया है, और अब भाजपा सरकार की नजर गरीब परिवारों के राशन पर है, भाजपा एक हाथ से महिलाओं को 1000 रुपए देगी तो दूसरी ओर उन्हीं माताओं-बहनों के चावल पर डाका डालेगी और यह बात खुद नए राशनकार्ड पर भाजपा की सांय-सांय सरकार ने सरकारी मुहर लगा कर स्वीकार की है।

भूपेश बघेल ने क्षेत्रवासियों से कहा कि भाजपा इसी प्रकार जुमलेबाजी कर, छल और झूठ के दम पर सत्ता में आती है और अपने पूंजीपति मित्रों को अमीर बना कर गरीब जनता का खून चूसती है, इसलिए अब इनको जवाब देना होगा और यह केवल जनता ही कर सकती है, वो भी अपने वोट की ताकत का प्रयोग कर। भूपेश ने इस दौरान आव्हान किया कि देश में फैली असमानता के खिलाफ कांग्रेस के साथ खड़े हों, कांग्रेस का हाथ मजबूत करें, हाथ मजबूत होगा तो ये हालात खुद-ब-खुद बदल जाएंगे।

भूपेश बघेल जी साथ आज मुख्यरूप से विधायक हर्षिता स्वामी बघेल, पूर्व विधायक भुनेश्वर बघेल, थानेश्वर पाटिला, कोमल साहू, चित्रलेखा वर्मा, आरती रिंकु महोबिया, देवकांत यदु, रौनक़ बाफ़ना, रजभान लोधी और मिहिर झा सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कांग्रेस प्रत्याशी भूपेश बघेल आज राजनांदगांव व मोहला-मानपुर-अं. चौकी जिले में

राजनांदगांव(दावा)। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी पूर्व मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ भूपेश बघेल राजनांदगांव व मोहला-मानपुर-अं. चौकी जिला के ग्रामों में आज 23 अप्रैल को जनसंपर्क करेंगे।

छग प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता रूपेश दुबे ने बताया कि लोकसभा प्रत्याशी भूपेश बघेल प्रातः 10 बजे ककरेल, भेड़ीकला, बोरी, डीलापहरी, इंदामरा, उसरीबोड़, मुड़पार, सुरगी, बुचीभरदा, मोखला, जांगलेशर, राजनांदगांव शहर हनुमान जयंती कार्यक्रम व अन्य पश्चात दैहान (छुरिया), आमाटोला, रेंगाकठेरा, कान्हे, पटेल पारा चौकी सांगली, बांधा बाजार, बादराटोला में जनसंपर्क करेंगे।

निर्धन कन्या विवाह में समाजसेवी महिलाओं ने किया कन्यादान

राजनांदगांव(दावा)। शहर की विभिन्न संस्था-संगठनों से जुड़ी समाजसेवी महिलाओं ने एक निर्धन कन्या के विवाह में कन्यादान का रस्म अदा कर समाज में एक नई मिसाल पेश की है।

समाजसेवी संस्था की साधना तिवारी ने बताया कि जिस निर्धन कन्या का उसके विवाह में कन्यादान किया गया। उस कन्या का नाम कुमारी राधिका मंडावी है। बसंतपुर निवासी उक्त कन्या के विवाह में करीब 25 हजार का सामान एवं नगद राशि देकर उसकी आर्थिक मदद की गई। इस पुनीत व नेक कार्य में वरिष्ठ समाजसेवी वह अधिवक्ता श्रीमती शारदा तिवारी, शोभा चोपड़ा, साधना तिवारी, सुषमा सिंह, निर्मला पसारी, अर्चना दास, रत्ना ओस्तवाल, सोनाली ओस्तवाल, मीनू जैन, अनिता जैन, आशा गुप्ता, किरण अग्रवाल, पुष्पा अग्रवाल, नियामत हुद्दा, ममता सोनी, प्रभा ठाकुर, राजुल कोटडिया, सपना चोपड़ा, मीना जैन, साधना खंडेलवाल, विद्या पांडे, उषा मिश्रा, प्रभा जैन, एकता गुप्ता, रजनी अग्रवाल, तुलसी अग्रवाल आदि का सहयोग उल्लेखनीय रहा।

पहला कॉलम...

आज श्री हनुमान जन्मोत्सव पर निकलेगी शोभायात्रा

नारीशक्ति के लिए होगी विशेष व्यवस्था

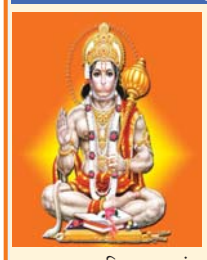

राजनांदगांव (दावा)। आज दिनांक 23 अप्रैल को स्थानीय म्यूनिस्पल स्कूल प्रांगण से दोपहर 3 बजे श्री हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में शोभायात्रा निकाली जायेगी। संस्कारधानी की नारीशक्ति के लिए विशेष व्यवस्था व एक डीजे अलग से उपलब्ध रहेगा सभी मातृशक्ति से निवेदन किया गया है कि हनुमान जन्मोत्सव का विशेष उत्साह का भक्तिमय आनंद लेने हेतु सपरिवार अवश्य पहुंचे। शोभायात्रा पश्चात प्रसादी वितरण भी किया जावेगा।

भाजपा प्रत्याशी संतोष पांडे आज कवर्धा एवं डोंगरगांव विधानसभा क्षेत्र में

राजनांदगांव (दावा)। भाजपा के प्रत्याशी संतोष पांडे आज 23 अप्रैल मंगलवार को कवर्धा विधानसभा एवं डोंगरगांव विधानसभा, क्षेत्रों के विभिन्न ग्रामों में जनसम्पर्क करते हुए सभाओं को संबोधित करेंगे। भाजपा मीडिया सेल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार भाजपा प्रत्याशी श्री पांडे आज सुबह 10:00 बजे कवर्धा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम सहसपुर से अपना जनसम्पर्क अभियान प्रारंभ करेंगे। इसके पश्चात वे डोंगरगांव विधानसभा क्षेत्र में मुलाकात करते हुए चुनावी सभा के माध्यम से कमल फूल निशान के लिए आशीर्वाद मांगेंगे, फिर वे राजनांदगांव शहर में हनुमान जयंती रैली में शामिल होंगे।

बी.एल. मारू का स्वर्गवास

राजनांदगांव (दावा)। बर्फानी सेवाश्रम समिति द्वारा संचालित मां पाताल भैरवी सिद्धपीठ एवं लोक कलाकारों के उत्थान के लिए गठित मितान लोक कलाकार कल्याण संघ के अध्यक्ष राजेश मारू के बड़े भाई बी.एल. मारू का आज 22 अप्रैल को दोपहर में 76 वर्ष की आयु में आकस्मिक निधन हो गया। वे पूर्व में नगर निगम द्वारा संचालित सर्वेश्वरदास नगर पालिक निगम उच्चतर माध्यमिक शाला में सहायक ग्रेड-2 के पद से सेवानिवृत्त हुए थे। काफी मिलनसार व आध्यात्मिक व धार्मिक कार्यों में हमेशा बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने वाले बी.एल. मारू के निधन से परिचितों में शोक व्याप्त है। उनका अंतिम संस्कार आज लखोली मुक्तिधाम में किया गया। इस अवसर पर बर्फानी सेवाश्रम समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के अलावा सामाजिक बंधु, मोहल्लेवासी और अन्य संस्थाओं के सदस्यों ने दो मिनट मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त किए।

आचार संहिता के उल्लंघन में तत्काल कार्यवाही हो - कांग्रेस

कार्यवाही ना होने से भाजपा कर रही निर्वाचन को दूषित

राजनांदगांव (दावा)। संसदीय क्षेत्र में भाजपा लगातार आचार संहिता का उल्लंघन पोस्टर, सोशल मीडिया, वीडियो, सभा के भाषणों कांग्रेस पार्टी के प्रत्याशी भूपेश बघेल के खिलाफ अनर्गल प्रचार करते हुए धार्मिक चित्रों, हेट स्पीच सहित वर्ग विशेष में शत्रुता पैदा करने के लिए बयान बाजी कर रहे हैं लगातार कांग्रेस द्वारा शिकायत करने के बाद भी निर्वाचन तत्काल जांच कार्यवाही नही कर रही है इस मुद्दे को लेकर आज भूपेश बघेल के निर्वाचन अभिकर्ता गिरीश देवांगन विनोद वर्मा लोकसभा प्रभारी प्रदेश महामंत्री शाहिद भाई, रुचिर गर्ग, विद्या भूषण शुक्ला, प्रदेश प्रवक्ता रुपेश दुबे, महापौर हेमा देशमुख, लोकसभावार रूम प्रभारी जितेन्द्र मुदलियार, आयुष पांडे, शुभम शुक्ला युंका महामंत्री चेतन भानुशाली रीना पटेल आदि ने रिटर्निंग आफिसर को दस्तावेजी शिकायत पेन ड्राइव सहित कर कार्यवाही की मांग की है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी की प्रवक्ता रूपेश दुबे ने बताया कि कांग्रेस नेताओं ने समवेत स्वर में कहा कि जिस प्रकार से आचार संहिता का उल्लंघन भाजपा राजनांदगांव संसदीय क्षेत्र में कर रही है वह स्वस्थ निर्वाचन के लिए घातक है तत्काल कार्यवाही न होने से वर्गों के बीच में वैमनस्यता एवं कांग्रेस प्रत्याशी की छवि पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है सबसे आश्चर्यजनक बात यह है कि आचार संहिता में स्पष्ट उल्लेख है कि धर्म, देवी देवताओं तक के नाम पर वोट नहीं मांगा जाना चाहिए लेकिन भाजपा लगातार देवी देवताओं के बड़े-बड़े होर्डिंग पोस्टर लगाकर धर्म संस्कृति के नाम पर वोट मांगते राजनीति कर रहे है यहां तक कांग्रेस पार्टी को आतंकवाद नक्सलवाद तमंचे पकड़ने वाली पार्टी निरूपित करने का काम भी भाजपा के शीर्ष नेता कर रहे हैं जो कुमर्दा की सभा में भाजपा नेताओं के भाषण से प्रमाणित है पूर्व में किए गए शिकायतों पर कोई कार्यवाही ना किए जाने से पक्षपात भी परिलक्षित हो रहा है, क्योंकि हेट स्पीच, आचार संहिता के उल्लंघन में आयोग भी स्वयं भी संज्ञान ले। साथ ही शिकायतों पर की गई कार्यवाही से शिकायतकर्ता को भी अविलंब अवगत कराने की मांग भी की गई है।

कलेक्टर ने आज कलेक्टोरेट परिसर स्थित सुविधा केन्द्र का किया अवलोकन

- अनिवार्य सेवा मतदाताओं द्वारा डाक मतपत्र के माध्यम से किया गया मतदान
- डाक मतपत्र के माध्यम से 24 अप्रैल तक किया जाएगा मतदान

राजनांदगांव (दावा)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संजय अग्रवाल ने आज कलेक्टोरेट परिसर स्थित सुविधा केन्द्र का अवलोकन किया। उन्होंने डाक मतपत्र के माध्यम से निर्वाचन करा रहे मतदान अधिकारियों से मतदान के संबंध में जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने मतदान करने आए कर्मचारियों से बातचीत भी की। निर्वाचन कार्य में लगे अनिवार्य सेवा मतदाताओं के लिए जिला कार्यालय में बने सुविधा केन्द्र में 22 अप्रैल से मतदान करने की प्रक्रिया शुरू की गई है। डाक मतपत्र के माध्यम से मतदान 24 अप्रैल तक किया जाएगा।

जिले में लोकसभा निर्वाचन 2024 अंतर्गत 22, 23 एवं 24 अप्रैल को सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक जिला कार्यालय कलेक्टर परिसर राजनांदगांव कक्ष क्रमांक 51 में पुलिस, होमगार्ड एवं वन विभाग के सुरक्षा कर्मी, ड्राइवर, क्लीनर, एफएसटी, एसएसटी टीम एवं अन्य निर्वाचन कार्य में पदस्थ कर्मचारी तथा अनिवार्य सेवा मतदाता डाक मतपत्र के माध्यम से मतदान करने के लिए सुविधा केन्द्र स्थापित किया गया है। जिला कार्यालय में बने सुविधा केन्द्र में लोकसभा चुनाव के लिए डाक मतपत्र के माध्यम से मतदान किया जा रहा है। लोकसभा निर्वाचन में निर्वाचन दायित्व से जुड़े मतदान दलों, सेक्टर आफिसर, एफएसटी, एसएसटी, वीएसटी और विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी तथा गृह निर्वाचन क्षेत्र से दूर अन्य जिले में कार्यरत अधिकारी एवं कर्मचारियों को अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए डाक मतपत्र के जरिए मतदान की सुविधा प्रदाय की गई है। इस अवसर पर अपर कलेक्टर सी.एल. मारकण्डेय, उप जिला निर्वाचन अधिकारी खेमलाल वर्मा उपस्थित थे।

निगम आयुक्त अधिकारियों के साथ गोल बाजार, गुडाखू लाईन क्षेत्र का पैदल भ्रमण कर देखे सफाई व्यवस्था

बाजार में प्रतिदिन साफ सफाई रखने, झिल्ली पन्नी का उपयोग नहीं करने पसरा व दुकानदारों को समझाईस देने स्वच्छता टीम से कहा

राजनांदगांव (दावा)। 22 अप्रैल प्रातः कालीन सफाई एवं निर्माण कार्य निरीक्षण की कड़ी में नगर निगम आयुक्त अभिषेक गुप्ता अधिकारियों के साथ आज सुबह वार्ड नं. 26 व 27 में पैदल भ्रमण कर गोल बाजार क्षेत्र में साफ सफाई व्यवस्था का जायजा लेकर बाजार में प्रतिदिन साफ सफाई रखने, झिल्ली पन्नी का उपयोग नहीं करने, समझाईस देने एक ओर स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देशित किये वही निर्माण कार्य देख जल्द पूर्ण कराने कार्यपालन अभियंता से कहा। आयुक्त श्री गुप्ता गोल बाजार, गुडाखू लाईन क्षेत्र में पैदल भ्रमण कर साफ सफाई देख स्वास्थ्य अधिकारी दीपक अग्रवाल से कहा कि चूँकि बाजार भीड़ भाड़ वाला क्षेत्र है, इसे ध्यान में रखते हुये विशेष रूप से साफ सफाई कराया जाये, सभी कर्मचारी प्रतिदिन समय पर उपस्थित रहे तथा मेडिकल अवकाश पर रहने वाले सफाई कर्मी की मेडिकल बोर्ड से जांच उपरांत ही अवकाश स्वीकृति प्रदान करें। उन्होंने कहा कि सब्जी पसरा वाले से झिल्ली पन्नी का उपयोग नही करने समझाईस दे, वही फल व मछली पसरा वालों को साफ सफाई रखने दुकान व्यवस्थित रखने व सड़े गले खाद्य पदार्थो का विक्रय नही करने समझाईस देवे।

आयुक्त श्री गुप्ता निर्माण कार्य निरीक्षण के दौरान गोल बाजार में हाईटेक शौचालय निर्माण के लिये खुले रूप में शौचालय निर्माण करने ड्राईंग डिजाईन तैयार कर चुनाव के बाद काम शुरू करने कार्यपालन अभियंता यू.के.रामटेके को निर्देश दिये। उन्होंने गुडाखू लाईन में चल रहे नाली निर्माण कार्य का निरीक्षण कर गुणवत्ता के साथ सभी निर्माण कार्य जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान प्र.सहायक अभियंता दिलीप मरकाम, उप अभियंता अनूप पाण्डे, वरिष्ठ स्वच्छता निरीक्षक राजेश मिश्रा, स्वच्छता निरीक्षक दीपक श्रीवास्तव, जिला समन्वयक एसबीएम देवेश साहू व कीर्तन साहू, मिशन क्लीन सिटी सहायक प्रभारी पवन कुर्रे, सह उद्यान प्रभारी दिलीप गिरी व प्र.पटवारी मिलिन्द रेड्डी तथा स्वास्थ्य अमला उपस्थित था।

रॉयल किड्स कान्वेंट में नौनिहाल बच्चों ने की रुचिकर गतिविधियां

राजनांदगांव (दावा)। शहर के हृदय स्थल में स्थित संस्था रॉयल किड्स कान्वेंट जो शिक्षा के साथ-साथ बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए भी प्रसिद्ध है, यहां हाल ही में कक्षा नर्सरी के नौनिहाल बच्चों के हाथो में विविध रंग लगाकर हस्त चिन्ह गतिविधि कराई गई। बच्चे के साथ हैंडप्रिंट गतिविधियाँ बनाना उनके बढ़िया मोटर कौशल को विकसित करने का एक मजे़दार तरीका है। बच्चों ने बड़ी उत्सुकता से इस गतिविधि को किया और साथ ही बच्चों को अलग-अलग रंगों के बारे में जानकारी मिली। इससे बच्चों को बहुत कुछ सीखने को मिला। शाला की अध्यक्षा डॉ. श्रीमती सविता जे.बी. सिंह, उपाध्यक्ष अशोक चौधरी, प्रशासक संजय बहादुर सिंह, डायरेक्टर सावंत बहादुर सिंह, जन्मजेय बहादुर सिंह, श्रेयांश बहादुर सिंह एवं शाला के एकेडमिक डायरेक्टर प्राचार्य अभिषेक खंडेलवाल बरसर इंद्र कुमार वैष्णव सहित सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं ने बच्चों को आशीर्वाद शुभकामनाएं दी।

युगांतर में उद्यमिता के गुणों को विकसित करने के लिए हुई कार्यशाला

राजनांदगांव (दावा)। भारत में शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी युगांतर पब्लिक स्कूल में लॉ ग्रेजुएट विद्यालय के पूर्व छात्र लक्षित सेठिया ने कक्षा बारहवीं के साइंस, कॉमर्स और ह्यूमैनिटीज के विद्यार्थियों के लिए उद्यमिता तथा स्टार्ट-अप उद्यमों की जटिलता विषय पर एक कार्यशाला संचालित की। उन्होंने इस कार्यशाला के गतिशील सत्र को प्रभावशाली ढंग से संचालित करते हुए सर्वप्रथम स्वयं की सफलता की यात्रा वर्णन किया। उन्होंने बताया कि आप सभी इससे प्रेरणा ले सकते हैं। उभरते उद्यमियों के लिए यह आवश्यक है कि वह हमेशा सकारात्मक विचारों से परिपूर्ण रहे। आगे उन्होंने उद्यमिता के गुणों को विकसित करने के लिए आवश्यक सिद्धांत साझा किए। उन्होंने प्रभावशाली सत्र के दौरान सफल स्टार्टअप संस्थापक के रूप में स्वयं के अनुभवों को साझा किया, जिसमें उन्होंने रास्ते में आने वाली चुनौतियों का सामना करते हुए विजय प्राप्त करने की स्वयं की कहानी बताई। उन्होंने बताया कि डिजिटल मार्केटिंग, नेटवर्किंग और मजबूत जनसंपर्क बनाने जैसे क्षेत्रों में उनकी विशेषज्ञता ने सभी जनमानस को मंत्रमुग्ध और प्रेरित किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने उनसे विचारोत्तेजक प्रश्न पूछे। उन्होंने सफल व्यवसाय स्थापित करने और उसे बनाए रखने का व्यवहारिक मार्गदर्शन प्राप्त किया। लक्षित सेठिया के प्रभावशाली सत्र ने उपस्थित विद्यार्थियों के बीच उद्यमिता के गुणों को विकसित करने के लिए एक नया उत्साह जगाया। उनमें नवाचार और नेतृत्व के गुणों को विकसित किया। युगांतर के पूर्व छात्र लक्षित सेठिया ने विद्यालय के ज्ञानवर्धक योगदान को याद किया। उन्हें विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं ने सदैव प्रगति करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने अपने आत्मविश्वास बढ़ाने और अपनी उद्यमशीलता यात्रा सफलतापूर्वक शुरू करने के लिए विद्यालय का हार्दिक आभार माना। इस कार्यशाला को आयोजित करने में दीप्ति बिंदल पीजीटी कॉमर्स ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यशाला में विद्यालय के प्राचार्य डॉ. मधु पोनुगोटी, निदेशक पीआरओ स्पोर्ट्स ऑफिसर दिनेश प्रताप सिंह, वाणिज्य, सामाजिक विज्ञान, ह्यूमैनिटीज के विभागाध्यक्ष तरूण कुमार महापात्रा, भावा रमेश पीजीटी कॉमर्स, शुभम पाण्डे पीजीटी कॉमर्स, रिंकी भारद्वाज पीजीटी कॉमर्स उपस्थित रहे। इस कार्यशाला का संचालन अंग्रेजी की अध्यापिका शालिनी नायर ने प्रभावी ढंग से किया। विद्यालय के चेयरमैन विनोद सदानी, सेक्रेटरी विनय डड्ढा, कोषाध्यक्ष मिश्रीलाल गोलछा सहित युगांतर परिवार ने कार्यशाला के सफलतापूर्वक आयोजित होने पर हर्ष प्रकट किया है।

हमर अस्पताल के बाहर खड़ी एम्बुलेंस में लगी आग

रायपुर । राजधानी रायपुर के भाठागांव क्षेत्र मे स्थित हमर अस्पताल में खड़ी 108 की गाड़ियों में अचानक आग लग गई। सूचना मिलते ही दमकल की गाडियों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पा लिया। मिली जानकारी के अनुसार भाठागांव स्थित हमर अस्पताल में पास 108 में चलने वाली 4 एम्बुलेंस खड़ी रहती है।

शुभांक

अनुमानित

बी. के
2-5-7
569-0 256-3
राजधानी
0-3-6
480-2 459-8

चेतावनी:-इस पत्र में प्रकाशित सर्वत्र शुभ राशियां ज्योतिष एवं ग्रह नक्षत्र के आधार पर धारणा मात्र है। इसका सट्टे आदि से कोई संबंध नहीं है, दुरूपयोग न करें। दुरूपयोग करने पर प्रकाशक की कोई जवाबदारी नहीं होगी। -सम्पादक

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं पवन बोहारा पिता धरम चंद जैन निवासी- मकान नं. 192, वार्ड नं. 13 टांकापारा शहर तह. व जिला- राजनांदगांव (छ.ग.) यह शपथ करता हूं कि मैंने अपना यह पुराना नाम का त्याग कर नया नाम पवन बोहरा रख लिया है। अतः आज से मुझे समस्त शासकीय अर्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में मेरे नए नाम पवन बोहरा से ही जाना पहचाना जावे।

पवन बोहरा
मकान नं. 192,
वार्ड नं. 13 टांकापारा,
शहर, तह. व जिला
राजनांदगांव (छ.ग.)

dts श्री कृष्णा (एयरकुल) में
रोजाना 4 खेल
समय : 12, 3, 6 व 9 बजे
बाल्कनी की एडवांस बुकिंग प्रारंभ है।
प्रणव झा प्रॉडक्शन कृत
बी.ए. फाईनल ईयर
छत्तीसगढ़ी भाषा में
कलाकार - मन कुरैशी, दीक्षा जायसवाल, दादू साहू, अंजली चौहान, राजेश बाघमारे, जयंती मनहर आदि

ऑनलाईन बुकिंग paytm & bookmyshow.com

paytm book my show
SILVER SCREEN MULTIPLEX
22nd April to 25th April 2024
silver SCREEN

B A Final Year (chhattisgarhi)- 12:30, 03:30 and 06:30 pm
Maidaan - 06:00 and 09:00 pm
Bade Miyan Chote Miyan - 12:00, 03:00 and 09:30 pm
Sumeet Mandi Mall, Rajnandgaon (C.G) 8085600200

आज हनुमान जयंती पर शहर में निकलेगी भव्य शोभायात्रा

सोमवार को शहर में निकली विशाल मोटर सायकल रैली.... जय-जय श्रीराम के नारे हुए गुंजारित

राजनांदगांव(दावा)। आज चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को हनुमान जयंती का पर्व शहर व अंचल भर में धूमधाम के साथ मनाया जाएगा। मर्यादा पुरूषोत्तम भगवान श्री राम के अनन्य भक्त वीरवर हनुमान जी ने आज के ही दिन मंगलवार को माता अंजनी के गर्भ से अवतरित हुए थे। मंगलवार का जन्मे मंगलकर्ता भगवान महावीर हनुमान जी का जयंती पर्व की शहर में धूम रहेगी।

मंगलवार को हनुमान जयंती के पूर्व शहर में हनुमान जयंती समिति द्वारा सोमवार को विशाल बाइक रैली निकाली गई। जिसका पूरे हर्षोल्लास के साथ नगर भ्रमण किया गया। इस दौरान भगवा झंडा लहराते हुए बाइक संवार जन जय-जय श्री राम के नारे गुंजारित करते हुए माहौल को गुंजायमान बनाए हुए थे। बाइक रैली में बजरंग बली-बजरंग बली...गली-गली में नाव है का गीत फिजाओं में तैरती रही। इससे युवाओं में खासा जोश व उल्लास का माहौल देखा गया। हनुमान जयंती प्रसंग पर शहर में धूमधाम से निकाली गई विशाल मोटर रैली का संचालन आयोजन समिति के झम्मन देवांगन, राजेन्द्र यादव गुरूजी, सुरेन्द्र दास वैष्णव (दाऊ), बंटी यादव, रामस्वरूप बाबाजी, संजय लडवन, कमल सोनी, अभिमन्यु मिश्रा, श्रेयांस भंसाली, प्रियांशु दास, विवेक शुक्ला, शीतल साहू आदि द्वारा किया गया। विशाल मोटर सायकल रैली का गांधी सभागृह म्यूनिस्पल स्कूल मैदान से शुरू होकर गुरूद्वारा चौक, मानव मंदिर चौक, दुर्गा चौक, इदिरा चौक होते हुए नंदई चौक, कुआं चौक, सदर लाईन, भारत

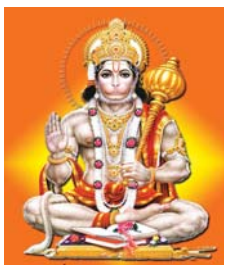

माता चौक होकर पुराना गंज चौक से काली माई मंदिर होते हुए गायत्री मंदिर चौक, जोई रोड भगतसिंह चौक गुड़ाखू लाईन महामाया चौक आदि का भ्रमण किया गया। तत्पश्चात गंज मंडी होते हुए पुनः शहर की ओर आकर जयस्तंभ चौक से गांधी सभागृह में समापन किया गया।

शोभायात्रा की रहेगी धूम

आज मंगलवार को मंगलकर्ता भगवान हनुमान जयंती की खुशियां चहुंओर दिखाई देगी। घरों एवं मंदिरों में जहां पूजा-पाठ का वातावरण बना रहेगा। वहीं भक्तजन हनुमान चालिसा का पाठ, रामायण पाठ, हनुमान स्त्रोत का गान कर केशरी नंदन हनुमान को पुरी भक्तिभाव के साथ याद किया जाएगा और धूमधाम के साथ जन्म दिन मनाया जाएगा।

इस पुनित दिन के अवसर पर शहर में हनुमान जयंती समिति द्वारा भगवान हनुमान की भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। गांधी सभागृह मंगलवार को दोपहर तकरीबन 3 बजे निकलने वाली भव्य शोभायात्रा में बहुत बड़े आर्च के साथ भगवान हनुमान की मनोमुग्धकारी झांकी आकर्षण का केन्द्र रहेगी। शोभायात्रा में बैण्ड बाजे, धुमाल, डीजे बाजे की धुन में बजरंग बली के भक्तजन नाचते-गाते चलेंगे। समिति के झम्मन देवांगन ने बताया कि शोभायात्रा में विशेष रूप से महिलाओं के लिए अलग से डीजे लगाया गया है जिसके सामने भगवान मारूति नंदन की भक्तिन महिलाएं नाचती झूमतीत चलेगी। शोभायात्रा में आदिवासी नृत्य पंथी नृत्य, सुआ नृत्य आदि भी आकर्षण के केन्द्र बने रहेंगे। इसी तरह अयोध्या का भव्य श्रीराम मंदिर का दिग्दर्शन भी शोभायात्रा में होगा। शोभायात्रा के नगर भ्रमण में भूपेश बघेल भी साथ रहेंगे।

नवाज ने बैंक में भ्रष्टाचार कर करोड़ों का चूना लगाया, अपने साले को नौकरी लगाकर 55 कर्मचारियों की फर्जी नियुक्ति की - बघेल

राजनांदगांव(दावा)। जिला सहकारी बैंक के वर्तमान अध्यक्ष सचिन बघेल ने भाजपा कार्यालय में एक प्रेस वार्ता आयोजित कर बताया कि जिला सहकारी बैंक के पूर्व अध्यक्ष नवाज खान ने बैंक में भ्रष्टाचार का खेल-खेलकर बैंक को करोड़ों रुपए का चूना लगाया है। इसी भ्रष्टाचार की वजह से ग्राम छीपा के समिति प्रबंधक ने धान खरीदी कार्य में लाखों की गड़बड़ी के चलते आत्महत्या कर ली। इसकी भी जांच पुलिस द्वारा की जा रही है। श्री बघेल ने कहा है न जाने क्यों पुलिस जांच में तेजी नहीं आ रही है। जबकि उक्त मामले को लेकर पुलिस द्वारा उसे नोटिस दिया जा चुका है। जिसका जवाब देने से नवाज खान बच रहे हैं।

श्री बघेल ने बताया कि प्रदेश में भूपेश बघेल की कांग्रेस सरकार बनने पर सभी जिला सहकारी बैंक में प्रदेश के मुखिया श्री बघेल द्वारा अपने चहेतों को उपकृत करने के लिए बैंक में मुखिया बनाकर बैठाया गया था। जिला सहकारी बैंक में भी जुलाई 2021 में नवाज खान को बैंक प्रशासक के रूप में राज्य शासन द्वारा नियुक्त किया गया था। बैंक में जिस दिन नवाज खान को प्रशासक के रूप में नियुक्त किया गया, उसी दिन से नवाज द्वारा बैंक में लगातार आर्थिक अनियमितता किया जाता रहा है। प्रशासक द्वारा बैंक के संसाधनों का दुरूपयोग लगातार अपने नेताओं को खुश करने के लिए राजनैतिक रूप से इस्तेमाल किया जाता रहा है। श्री बघेल ने बताया कि नवाज खान के प्रशासक नियुक्त होने पर अपने शपथ ग्रहण कार्यक्रम के नाम पर 3 लाख रुपये का खर्च किया गया। वहीं इसके तुरंत बाद अपने साले को दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी के रूप में नियुक्त किया गया। इसके पश्चात नवाज द्वारा लगातार बैंक में दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों के रूप में अपने चहेतों के मातहतों को लगभग 55 कर्मचारियों की नियुक्ति की गई जिसमें करोड़ों रूपये का लेन-देन की खबर मीडिया एवं अन्य माध्यमों से जिले भर में प्रचारित होते रहा है। इस संबंध में भारतीय जनता पार्टी की विधायक भावना बोहरा द्वारा विधानसभा में उठाये जाने पर दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी की नियुक्ति प्रथम दृष्टया गलत पाये जाने के कारण सभी दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी को बैंक सेवाओं से निकाला गया। इस तरह नवाज द्वारा दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को वेतन के रूप में लगभग 1 करोड़ रूपये का भुगतान कर बैंक की साख को नुकसान पहुंचाया गया। श्री बघेल ने बताया कि नवाज के प्रशासक नियुक्त होते ही बैंक में कार्यरत कर्मचारियों का लगातार अनावश्यक रूप से स्थानांतरण किया जाकर कर्मचारियों से लाखों रूपये की उगाही की गई, जिसके कारण कर्मचारियों में लगातार असंतोष रहा है तथा कुछ कर्मचारियों को अत्यधिक परेशान करते हुये अपने कार्यकाल के दौरान 4 से 5 बार स्थानांतरण कर कर्मचारियों को मानसिक एवं आर्थिक रूप से परेशान करने का कार्य किया गया। अपने नेताओं को खुश करने ग्राम भरेंगांव में किसान सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 13 लाख रूपये खर्च कर बैंक को आर्थिक नुकसान कराया गया।

पानी की तरह फूंका गया पैसा

पूर्व सांसद मधुसूदन यादन ने कहा कि विधानसभा चुनाव के पूर्व कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे का ग्राम ठेकवा में कार्यक्रम कराकर लगभग 10 लाख का खर्च बैंक द्वारा कराया गया। दिल्ली के संगोष्ठी कार्यक्रम में अपने खास 12 लोगों को हवाई जहाज में दिल्ली ले जाने महंगे होटल में ठहरने खाने-पीने मौज उड़ाने में बैंक का 3 लाख खर्च किया गया। गन्ने की खेती के प्रलोभन में हज़ारों किसानों को 200 चार पहिया वाहनों में कबीरधाम का सैर कराकर लाखों रुपए अपव्यय किया गया। कबीरधाम में बैंक की 3 शाखाएं शाखा खोलने 28 लाख खर्च किया गया। एससी व एसटी वर्ग के अधिकारियों को जातिगत गालियां देना तथा प्रताड़ित कर उसे नक्सल क्षेत्र में भेज देना उनके कारनामे है।

आर्थिक अनियमितताओं की जांच

श्री बघेल ने बताया कि बैंक में हुये आर्थिक अनियमितताओं की उच्च अधिकारियों की कमेटी द्वारा जांच कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि बैंक प्रशासक नवाज खान द्वारा अपने कार्यकाल के दौरान अपने स्वयं एवं अपने लोगों के खाने पीने के लिए विभिन्न होटलों जैसे सिटीहार्ट होटल से रूपये 5 लाख रूपये, जलाराम होटल से लगभग 4 लाख रूपये, खंडेलवाल होटल से 40 हजार रूपये, कंवर पैलेस होटल से 25 हजार रूपये, मानव मंदिर से 50 हजार रूपये, लस्सी जूस पीने में 50 हजार रूपये, चिकन खाने पर 20 हजार रूपये, खान होटल से मांसाहारी खाने पर लगभग 2 लाख रूपये, पिज्जा खाने पर 5 हजार रूपये ऐसे कई प्रकार के ऐसो-आराम के लिए भी बैंक से राशि का दुरूपयोग किया गया है जो कि बैंक नियमों के विपरित खर्च किये गये है। इस प्रकार कुल राशि 73.90 लाख रूपये बैंक को अनावश्यक रूप से नुकसान पहुंचाया गया। जो कि बैंक में जमा कराने वाले किसानों व अमानतदारों की राशि है।

यही नहीं नवाज खान द्वारा बैंक में उपलब्ध वाहनों में से 2 बोलेरो वाहन जो कि अच्छे कंडिशन के होने पर भी बिना कोई निविदा के अपने रिस्तेदारों को बहुत ही कम कीमत पर बेच दिया गया। जबकि बैंक के अति आवश्यक कार्यों के लिए उन वाहनों का उपयोग किया जाता था। वाहन नहीं होने पर बैंक के कार्य के लिए किराये पर वाहन उपयोग करने में बैंक को लाखों रूपये का आर्थिक बोझ पड़ रहा है।

प्रियंका गांधी ने जैन समाज के डेलीगेट से मिलकर दी महावीर जयंती की बधाई

राजनांदगांव (दावा)। 21 अप्रैल दिन रविवार को महावीर जयंती के दिन राजनांदगांव लोकसभा क्षेत्र डोंगरगांव मोहड़ में चुनावी सभा को संबोधित करने कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने लोकसभा प्रत्याशी पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के समर्थन में चुनावी सभा को संबोधित किया और सभा समाप्ति के उपरांत हेलीपेड में जैन समाज के डेलीगेट दुर्ग महापौर धीरज बाकलीवाल, प्रदेश कांग्रेस के संयुक्त महामंत्री पदम कोठारी, दक्षिण ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सूर्यकांत जैन सहित समाज के लोगों से मिलकर उन्होंने महावीर जयंती की बधाई दी और पूछा की आप लोग इस पर्व को कैसे मनाते हैं। उनकी इस बात पर इसकी जानकारी धीरज बाकलीवाल एवं सूर्यकांत जैन ने उन्हें जानकारी देते हुए बताया कि महावीर जयंती के दिन सुबह प्रभातफेरी निकाली जाती है, इसके पश्चात भगवान महावीर की प्रतिमा को रथ में विराजित कर भव्य शोभायात्रा शहर के प्रमुख मार्ग में निकालकर भगवान महावीर के संदेश को भजनों के माध्यम से बताया जाता है और खुशियां मनाई जाती है। जिसके उपरांत श्रीमती प्रियंका गांधी ने जैन समाज के सभी अनुयायियों को महावीर जयंती की पुनः उन्होंने बधाई प्रेषित की और कहा कि आज भारत को पुनः भगवान महावीर के बताएं सत्य और अहिंसा के मार्ग को अपनाने की आवश्यकता है।

रॉयल किड्स कान्वेंट में आज सी.जी. बोर्ड (अंग्रेजी माध्यम) के वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित

परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत

राजनांदगांव (दावा)। शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी संस्थान रॉयल किड्स कान्वेंट सी.जी. बोर्ड (अंग्रेजी माध्यम) में कक्षा पहली से नवमी एवं ग्यारहवीं के परीक्षा परिणाम आज दिनांक 23 अप्रैल को प्रातः 9 बजे संस्था में घोषित किये जाएंगे। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी बच्चों का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। संस्था के प्राचार्य गोपाल साहू ने बताया कि इस वर्ष विद्यार्थियों ने बहुत परिश्रम किया है एवं प्रश्न पत्र को अच्छे से हल किया जिसके कारण इस वर्ष का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। रॉयल किड्स कॉन्वेंट की परंपरा अनुसार अपनी अपनी कक्षा में 90 प्रतिशत एवं उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों का सम्मान किया जाएगा अतः अभिभावकों से अनुरोध है कि समय पर उपस्थित होकर अपने पाल्य का परीक्षा परिणाम संस्था से प्राप्त कर लें सभी कक्षाओं में निम्न शुल्क पर उत्कृष्ट शिक्षा हेतु प्रवेश प्रारंभ है।

कम मतदान प्रतिशत वाले क्षेत्रों में चलाया जा रहा विशेष स्वीप अभियान

(दावा)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संजय अग्रवाल के मार्गदर्शन में स्वीप के तहत मतदाता जागरूकता कार्यक्रम राजनांदगांव जिले में कई हफ्तों से जारी है। जिला पंचायत सीईओ एवं स्वीप नोडल सुश्री सुरूचि सिंह के निर्देशन में कम मतदान प्रतिशत वाले क्षेत्रों में विशेष स्वीप अभियान चलाकर मतदाताओं को मतदान के लिए जागरूक किया जा रहा है। विशेष स्वीप अभियान के तहत आज राजनांदगांव शहर के कौरिनभाठा, लखोली और चिखली में स्वीप स्क्वाड द्वारा स्वीप संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसके साथ ही नगर पंचायत डोंगरगांव के कम मतदान प्रतिशत वाले क्षेत्रों में भी स्वच्छता दीदियों द्वारा स्वीप संगोष्ठी एवं मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

जिला पंचायत सीईओ सुश्री सुरूचि सिंह ने बताया कि कम मतदान वाले क्षेत्रों में कम मतदान होने के कारणों का विश्लेषण किया गया है। विश्लेषण के बाद संबंधित जनपद सीईओ और सीएमओ से मतदान प्रतिशत बढ़ाने के संबंध में सुझाव लिए गए। कम मतदान प्रतिशत वाले

शत प्रतिशत मतदान के लिए किया जा रहा प्रेरित

क्षेत्रों में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए विशेष स्वीप कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रमों में स्वीप स्क्वाड द्वारा मतदाताओं को मतदान के महत्व के बारे में जानकारी दी जा रही है। साथ ही लोकतंत्र में मतदान के महत्व को समझाया जा रहा है और मतदान दिवस 26 अप्रैल को मतदान केन्द्र पहुंचकर मतादिकार का प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इस दौरान मतदाता शपथ भी दिलाई जा रही है। स्वीप स्क्वाड में जिला पंचायत, जनपद पंचायत, नगर निगम के अधिकारी शामिल है। कार्यक्रम में सीएमओ डोंगरगांव, एबीईओ रश्मि ठाकुर का भी सहयोग रहा।

संतोष पाण्डेय को विजयी बनाने राजेश श्यामकर ने बूथों में ली बैठक

भूपेश बघेल पर बरसे राजेश श्यामकर

उपरवाह (दावा)। लोकसभा के भाजपा उम्मीदवार संतोष पाण्डेय के जिला पंचायत सदस्य व भाजपा के वरिष्ठ नेता राजेश श्यामकर ने डोंगरगढ़ विधानसभा के घुमका मंडल के ग्रामीण क्षेत्र में दौरा कर ग्राम बघेरा, कलडबरी, जोराताराई, बोइरडीह, परेवाडीह, तुमडीलेवा, परसबोड, झुराडबरी, जराही, भाटागांव के बूथों में बैठक ली और कहा कि कांग्रेस के प्रत्याशी भूपेश बघेल पांच वर्षो तक प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे।

इस दौरान वे राजनांदगाव के जनता के साथ दुर्व्यवहार करते रहे। विकास कार्य तो दूर कि बात है। उल्टे यहां के सरकारी विभागों को दुर्ग लेकर चले गए। हमारा राजनांदगाव विकास के लिए तरसता व तड़पता रहा। अब वे किस मुँह से वोट मांग रहे है।

आरोपों को स्पष्ट करते हुवे जिला पंचायत सदस्य राजेश श्यामकर ने आगे कहा कि हम सभी को संतोष पाण्डेय बनकर काम करना है। भाजपा जो कहती है वो करती है। आज हमारी भाजपा कि सरकार माताओ को प्रत्येक माह एक हजार रूपये देने का काम कर रही है। श्री श्यामकर ने केंद्र व राज्य के अनेकों योजनाओं को मतदाताओं के सामने रखा। श्यामकर के साथ घुमका मंडल अध्यक्ष जागेश्वर साहू, पूर्व मंडल अध्यक्ष महेश यादव, दुर्जन देवांगन शंकर नेताम जनपद सदस्य शीला सिन्हा, टाकेश सिन्हा, मिडिया प्रभारी तिलेश्वर सिन्हा, संजय टंडन हेमंत मेश्राम सहित कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

आयुक्त ने मतदान केन्द्रों का निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्था मुहैया कराने अधिकारियों को दिये निर्देश

राजनांदगांव (दावा)। 22 अप्रैल लोकसभा निर्वाचन 2024 चुनाव के लिये राजनांदगांव लोकसभा हेतु सुचारू मतदान के लिये आयुक्त अभिषेक गुप्ता आज निगम सीमाक्षेत्र के मतदान केन्द्रों का निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्था मुहैया कराने कार्यपालन अधियंता यू.के.रामटेके एवं तकनीकि अधिकारियों को निर्देशित किये। मतदान केन्द्र निरीक्षण की कडी में आयुक्त श्री गुप्ता मतदान केन्द्र महेश्वरी भवन, भरकापारा स्कूल, चिखली स्कूल, नया व पुराना ढाबा स्कूल, मोतीपुर स्कूल एवं नवागांव स्कूल का जायजा लेकर तकनीकि अधिकारियों से कहा कि सभी अधिकारी अपने अपने प्रभारित वार्डो के मतदान केन्द्रों में सुचारू मतदान के लिये आवश्यक व्यवस्था मुहैया करावे, उन्होंने कहा कि जहॉ रैम्प नही है वहॉ रैम्प बनवाये, इसके अलावा बिजली, पानी तथा कुर्सी टेबल की पर्याप्त व्यवस्था हो इसका विशेष ध्यान रखे, मतदान केन्द्र क्रं., मतदाता संख्या आदि का स्पष्ट लेखन हो, गर्मी को ध्यान में रखते हुये स्कूल मैदान में टेण्ट लगावे। साथ ही मतदाता सहायता केन्द्र तथा संगवारी मतदान केन्द्र में भी सभी आवश्यक व्यवस्था करने के निर्देश दिये। उन्होंने मतदान केन्द्रों के आस पास साफ सफाई की समुचित व्यवस्था के लिये स्वास्थ्य अधिकारी श्री दीपक अग्रवाल को निर्देशित किये।

निरीक्षण के दौरान प्र.सहायक अभियंता दिलीप मरकाम, उपअभियंता अनूप पाण्डे, वरिष्ठ स्वच्छता निरीक्षक राजेश मिश्रा, स्वच्छता निरीक्षक दीपक श्रीवास्तव, जिला समन्वयक एसबीएम देवेश साहू व कीर्तन साहू, मिशन क्लीन सिटी सहायक प्रभारी पवन कुर्रे, सह उद्यान प्रभारी दिलीप गिरी व प्र.पटवारी मिलिन्द रेड्डी उपस्थित थे।

निर्वाचन कार्य में लगे अनिवार्य सेवा मतदाताओं द्वारा डाक मतपत्र के माध्यम से डाले जा रहे वोट

जिला कार्यालय में डाक मतपत्र के लिए सुविधा केन्द्र स्थापित

राजनांदगांव (दावा)। लोकसभा निर्वाचन 2024 के लिए निर्वाचन कार्य में तैनात अधिकारी-कर्मचारी सहित अन्य अनिवार्य सेवा में कार्यरत व्यक्तियों ने कलेक्टोरेट स्थित सुविधा केन्द्र में आज डाक मतपत्र के माध्यम से अपने मताधिकार का उपयोग किया। निर्वाचन कार्य के अनिवार्य सेवा में लगे ड्राइवर कोमल यदु, हरि यादव, कृष्णा पटेल, दिनू राम साहू और दिलीप साहू ने डाक मतपत्र के माध्यम से अपने मताधिकार का उपयोग किया। कोमल यदु, हरि यादव, कृष्णा पटेल, दिनू राम साहू और दिलीप साहू ने बताया कि वे स्कूली वाहन चलाते हैं। जिनकी ड्यूटी निर्वाचन के अंतर्गत वाहन चालक के रूप में लगी है। सभी ड्राइवरों ने कहा कि डाक मतपत्र के माध्यम से मतदान करने का अवसर मिला है, हमें बहुत खुशी हो रही है। लोकतंत्र के इस उत्सव में शामिल होने का मौका मिला है, हमें बहुत अच्छा लग रहा है।

डाक मतपत्र के माध्यम से मतदान करने आए शिक्षा विभाग जिला बालोद के लक्ष्मण साहू ने बताया कि उनका कार्यक्षेत्र बालोद जिले में हैं। उनकी निर्वाचन ड्यूटी मतदान अधिकारी-2 के रूप में लगी है। उन्होंने बताया कि उनका नाम संसदीय क्षेत्र राजनांदगांव के मतदाता सूची में है। श्री साहू ने कहा कि वे डाक मतपत्र के माध्यम से मतदान किया है। डाक मतपत्र नहीं होने से वे मतदान प्रक्रिया से वंचित हो जाते, लेकिन डाक मतपत्र के माध्यम से उन्हें मतदान करने का मौका मिला। इसी तरह जिला बालोद में सेवा दे रहे मंथीराम साहू, दिलीप कुमार साहू और कमल किशोर वैष्णव ने भी डाक मतपत्र के माध्यम से मतदान किया। डाक मतपत्र डालकर सभी कर्मचारियों ने नागरिकों से 26 अप्रैल को मतदान केन्द्र में जाकर मतदान करने की अपील की। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संजय अग्रवाल के मार्गदर्शन में लोकसभा निर्वाचन 2024 अंतर्गत 22, 23 एवं 24 अप्रैल 2024 को सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक जिला कार्यालय कलेक्टर परिसर राजनांदगांव कक्ष क्रमांक 51 में पुलिस, होमगार्ड एवं वन विभाग के सुरक्षा कर्मी, ड्राइवर, क्लीनर, एफएसटी, एसएसटी टीम एवं अन्य निर्वाचन कार्य में पदस्थ कर्मचारी तथा अनिवार्य सेवा मतदाता डाक मतपत्र के माध्यम से मतदान करने के लिए सुविधा केन्द्र स्थापित किया गया है।

25 व 26 अप्रैल को सब्जी मंडी बंद

राजनांदगांव (दावा)। जिला निर्वाचन अधिकारी व कलेक्टर राजनांदगांव से प्राप्त आदेशानुसार लोकसभा निर्वाचन कार्यक्रम के अंतर्गत निर्वाचन सामग्रीयों का वितरण एवं संग्रहण व वाहन पार्किंग कार्य के निमित मंडी परिसर थोक फल सब्जी बाजार परिसर दिनांक 25 व 26 अप्रैल को बंद रखा जाना है, इसका शासन द्वारा उपयोग किया जावेगा।

आदेशानुसार 25 व 26 अप्रैल के थोक सब्जी फल बाजार परिसर व्यापारियों द्वारा बंद रखा जावेगा, जो 27 अप्रैल को पूर्ववत चालू रहेगा। सभी आमजनों से इस असुविधा के लिए खेद है साथ ही आम नागरिकों से अनुरोध है कि बंद की वजह से फल सब्जियों के भाव भी शादी ब्याह का सीजन रहने की वजह से बढ़ सकते है, अतएव आप असुविधा से बचने के लिए 24 अप्रेल तक आवश्यकता अनुसार सब्जियों, फल की खरीदी कर ले ताकि असुविधा से बचा जा सके।

स्कूल समन्वयक पर कांग्रेस के पक्ष में प्रचार का आरोप, साहू समाज ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

कुछ शिक्षकों की गंदी राजनीति के शिकार हुए संकुल समन्वयक- भागवत साहू

राजनांदगांव(दावा)। डोंगरगांव विकासखंड के अंतर्गत आने वाले बीजाभाटा संकुल समन्वयक पर कांग्रेस के पक्ष में प्रचार किए जाने के आरोप पर साहू समाज द्वारा कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया है। इस संबंध में प्रेस वार्ता लेते हुए जिला साहू समाज के अध्यक्ष भागवत साहू ने बताया कि बीजाभाठा स्कूल के समन्वयक सुदामा लाल साहू ने उपरोक्त संबंध में समाज के समक्ष आवेदन पेश की है। इसे देखते हुए कतिपय शिक्षकों की गंदी राजनीति के शिकार हो रहे है। संकुल समन्वयक सुदामा को न्याय दिलाने व झूठी शिकायत करने वाले उन शिक्षकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के लिए कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया है।

प्रेस वार्ता ले रहे भागवत साहू, चुम्मन लाल साहू, मदन साहू आदि ने बताया कि शिक्षक सुदामा साहू पर आरोप लगाया है कि वे 18वीं लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस प्रत्याशी भूपेश बघेल के पक्ष में चुनाव प्रचार कर रहे हैं। जबकि ऐसा बिल्कुल भी नहीं है। इस संबंध में आवेदक सुदामा साहू की ओर से समाज को अवगत भी कराया गया है। सुदामा साहू अपने ऊपर हो रहे इस तरह के अन्याय व प्रताड़ना के संबंध में भाजपा नेता मधुसूदन यादव के समक्ष गुहार लगाई। तो उसके उपर की जा रही कार्रवाई बंद हुई। बाद में फिर से कांग्रेस का प्रचार किए जाने का मामला उठाए जाने पर उस पर कार्रवाई करते हुए उनकी डोंगरगांव व राजनांदगांव के दो-दो स्थानों में चुनाव ड्यूटी लगा दी गई। इससे वह बहुत परेशान हैं। इधर उसके पिता की हालत ठीक नहीं होने व दो- दो स्थानों पर ड्यूटी के फरमान से पीड़ित सुदामा साहू की परेशानी बढ़ गई है।

प्रेस वार्ता में बताया गया कि प्रार्थी पर लगे आरोप की छानबीन पर पता चला है कि उन पर लगे आरोप निराधार है कतिपय शिक्षकों व और भी अपने साथी शिक्षकों को संगठन के माध्यम से यह साबित करने में लगे हैं कि सुदामा साहू पर लगा आरोप सही है। इस मामले में कांग्रेस विधायक दलेश्वर साहू के साथ सुदामा साहू के फोटो का आधार लिया जा रहा है। भागवत साहू ने बताया कि साहू समाज से बिलॉन्ग करने वाले सुदामा साहू समाज में अधिकारी कर्मचारी प्रकोष्ठ के जिला सह-संयोजक जैसे पद का जिम्मेदारी से निर्वहन कर रहे हैं। इस बात को उक्त विघ्न संतोषी शिक्षक पचा नहीं पा रहे हैं। इस मामले में सुदामा साहू को प्रताड़ित करने वाले जिन शिक्षकों द्वारा उनकी झूठी शिकायत करके फंसाने के लिए कलेक्टर, जिला पंचायत सीईओ व जिला शिक्षा अधिकारी आदि के पास शिकायत की है। साहू समाज द्वारा अधिकारियों से आग्रह किया है कि ऐसी झूठी शिकायत पर विश्वास नहीं करते हुए झूठी शिकायत करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए। कहा गया है कि यदि एक सप्ताह के भीतर उन झूठा आरोप लगाने वाले उन शिक्षकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई नहीं हुई तो जिला साहू संघ आंदोलन का रुख अख्तियार करने बाध्य होगा।

अनमोल दावा

> मन खराब हो तब भी खराब शब्द ना बोलें, बाद में मन सही हो सकता है लेकिन बोले गए शब्द नहीं।

बेखौफ बंदी और जेलों में खूनी संघर्ष, आखिर अंदर कैसे पहुंचे धारदार हथियार

जेलों को एक प्रकार के सुधारगृह के रूप में विकसित करने पर जोर दिया जाता रहा है, ताकि अपराधियों को गलत रास्ते से निकाल कर सही रास्ते पर लाया जा सके। मगर जेलें अगर यातनागृह और दबंग अपराधियों की सुरक्षित शरणस्थली का रूप लेती जा रही हैं, तो यह गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए।

पंजाब की संगरूर जेल में कैदियों के बीच खूनी संघर्ष में दो की मौत से एक बार फिर जेलों की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठने शुरू हो गए हैं। शुक्रवार की रात को कुछ कैदियों ने दो कैदियों पर हमला कर उन्हें धारदार हथियार से मार डाला। जेल प्रशासन का कहना है कि जिन कैदियों के बीच हिंसक झड़प हुई, उनका किसी आपराधिक गिरोह से संबंध नहीं था। उनके बीच आपसी रंजिश थी, जो खूनी संघर्ष में परिणत हो गई। यानी इस बात की जानकारी जेल प्रशासन को थी कि कुछ कैदियों में कहासुनी की वजह से तनाव बना हुआ था।

विचित्र है कि प्रशासन ने उस विवाद को सुलझाने का प्रयास नहीं किया। खुद पुलिस महानिरीक्षक ने माना है कि अगर समय रहते इस विवाद को सुलझा लिया गया होता, तो दो कैदियों की मौत नहीं होती। इस घटना के बाद भी फिर वही सवाल उठ रहे हैं कि आखिर कैदियों को धारदार चीजें कैसे हाथ लग गईं, जिससे उन्होंने दो कैदियों की जान ले ली, जबकि जेलों में ऐसी हर चीज को बंदियों से दूर रखा जाता है, जिनसे वे किसी पर हमला या खुदकुशी कर सकते हों।

पंजाब की जेलों में कैदियों के रखरखाव को लेकर लंबे समय से सवाल उठते रहे हैं। कई लोग तो यहां तक कह चुके हैं कि वहां की कई जेलें अपराधियों के लिए सुरक्षित पनाहगाह बन चुकी हैं। संगरूर जेल पर भी ऐसे आरोप लगते रहे हैं। कुछ साल पहले वहां से एक कुख्यात गिरोह के अपराधी के अपने जन्मदिन पर केक काटने और उसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर डालने के बाद तो खासा विवाद हुआ था। ऐसे ही मामले बठिंडा, कपूरथला और पटियाला की जेलों से भी दर्ज हुए थे, जब अपराधियों को सोशल मीडिया पर सक्रिय देखा या फोन पर बाहर के लागों से बात करते, किसी साजिश को अंजाम देते पाया गया। हालांकि जेल में कैदियों के बीच हिंसक झड़प का मामला केवल पंजाब तक सीमित नहीं है। दिल्ली की अति सुरक्षित और चाकचौबंद मानी जाने वाली तिहाड़ जेल में भी ऐसी कई घटनाएं हाल के कुछ महीनों में देखी जा चुकी हैं। तिहाड़ में तो कुख्यात आपराधिक गिरोहों के बीच खूनी संघर्ष देखा गया। ऐसी घटनाएं होने की खबरें देश के दूसरे प्रदेशों की जेलों से भी आ जाती हैं।

पठानकोट सैन्य अड्डे पर हुए आतंकी हमले के बाद तो सेना ने भी अपनी जांच के बाद चिंता जताई थी कि पंजाब की जेलों में बैठे अपराधी बाहरी लोगों से संपर्क में रहते और मादक पदार्थों की तस्करी आदि में संलिप्त हैं। तब सभी जेलों में औंचक निरीक्षण किया और जेलों के प्रशासन को मुस्तैद रहने को कहा गया था। मगर स्थिति में कोई उल्लेखनीय सुधार नहीं देखा गया। आरोप लगते रहे हैं कि जेलों के प्रशासन से जुड़े लोग ही अपराधियों को मोबाइल फोन आदि उपलब्ध कराते हैं। जेलों को एक प्रकार के सुधारगृह के रूप में विकसित करने पर जोर दिया जाता रहा है, ताकि अपराधियों को गलत रास्ते से निकाल कर सही रास्ते पर लाया जा सके। मगर जेलें अगर यातनागृह और दबंग अपराधियों की सुरक्षित शरणस्थली का रूप लेती जा रही हैं, तो यह गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए। जेल प्रशासन और अपराधियों के बीच अगर किसी तरह का गठजोड़ बनता है, तो यह ज्यादा खतरनाक साबित हो सकता है।

उन्नत जीवन का आधार है हनुमान भक्ति

ललित गर्ग

भगवान हनुमानजी को हिन्दू देवताओं में सबसे शक्तिशाली माना गया है, वे रामायण जैसे महाग्रंथ के सह पात्र थे। वे भगवान शिव के ग्यारवें रूद्र अवतार थे जो श्रीराम की सेवा करने और उनका साथ देने त्रेता युग में अवतरित हुए थे। उनको बजरंगबली, मारुतिनंदन, पवनपुत्र, केशरीनंदन आदि अनेकों नामों से पुकारा जाता है। उनका एक नाम वायुपुत्र भी है, उन्हें वातात्मज भी कहा गया है अर्थात् वायु से उत्पन्न होने वाला। इन्हें सात चिरंजीवियों में से एक माना जाता है। वे सभी कलाओं में सिद्धहस्त एवं माहिर थे। वीरो में वीर, बुद्धिजीवियों में सबसे विद्वान। इन्होंने अपने पराक्रम और विद्या से अनेकों कार्य चुटकीभर समय में पूर्ण कर दिए है। वे शौर्य, साहस और नेतृत्व के भी प्रतीक हैं। समर्पण एवं भक्ति उनका सर्वाधिक लोकप्रिय गुण है। रामभक्त हनुमान बल, बुद्धि और विद्या के सागर तो थे ही, अष्ट सिद्धि और नौ निधियों के दाता और ज्योतिष के भी प्रकांड विद्वान थे। वे उन्नत जीवन के आधार है। उनसे सफल एवं सार्थक जीवन के प्रबंधन की शिक्षा मिलती है। वे हर युग में अपने भक्तों को अपने स्वरूप का दर्शन कराते हैं और उनके दुःखों को हरते हैं। वे मंगलकर्ता एवं विघ्नहर्ता हैं।

मंगलवार को हनुमानजी का जन्म हुआ, ऐसा माना जाता है। भिन्न-भिन्न लोगों ने इस महान् आत्मा का मूल्यांकन भिन्न-भिन्न दृष्टिकोण से किया है। हनुमान का चरित्र एक लोकनायक का चरित्र है और उनके इसी चरित्र ने उन्हें सार्वभौमिक लोकप्रियता प्रदान की है। तैंतीस करोड़ देवी-देवताओं में मात्र हनुमान ही ऐसे हैं जिनकी आधुनिक युग में सर्वाधिक पूजा की जाती है और जन-जन के वे आस्था के केन्द्र हैं। उनके चरित्र ने जाति, धर्म और सम्प्रदाय की संकीर्ण सीमाओं को लांघ कर जन-जन को अनुप्राणित किया है। हनुमान का चरित्र बहुआयामी हैं क्योंकि उन्होंने संसार और संन्यास दोनों को जीया। वे एक महान योगी एवं तपस्वी हैं और इससे भी आगे वे रामभक्त हैं। हनुमान-भक्ति भोगवादी मनोवृत्ति के विरुद्ध एक प्रेरणा है संयम की, पवित्रता की। यह भक्ति एक बदलाव की प्रक्रिया है। यह भक्ति प्रदर्शन नहीं, आत्मा के अभ्युदय का उपक्रम है। इससे अहं नहीं, निर्दोष शिशुभाव जागता है। क्रोध नहीं, क्षमा शोभती है। कष्टों में मन का विचलन नहीं, सहने का धैर्य रहता है।

आज हनुमान जन्मोत्सव पर विशेष

उत्कृष्ट विलक्षणताओं के प्रतीक हनुमान पूर्ण मानव थे। कहते हैं कि ब्रह्मा ने जब मनुष्य का निर्माण किया तो उन्हें बहुत प्रसन्नता हुई, क्योंकि उन्हें यह अनुभूत हुआ कि उनके द्वारा सृष्ट मानव ईश्वर का साक्षात्कार करने में समर्थ है। मानव न केवल संपूर्ण प्राणियों में सर्वश्रेष्ठ है, प्रत्युत वह अपनी साधना के द्वारा ब्रह्मपद को भी प्राप्त कर सकता है। त्रेतायुग के सर्वाधिक शक्तिशाली मानव हनुमान जिन्हें भ्रमवश अनेक देशी-विदेशी विद्वान पड़ों पर उछल-कूद करने वाला साधारण वानर मानते रहे हैं, अपने अलौकिक गुणों और आश्चर्यजनक कार्यों के बल पर कोटि-कोटि लोगों के आराध्य बन गये।

भारत ही नहीं, विश्व के इतिहास में किसी ऐसे मानव का उल्लेख नहीं मिलता, जिसमें शारीरिक बल और मानसिक शक्ति का एक साथ इतना अधिक विकास हुआ हो जितना हनुमान में हुआ था। प्राचीन भारत में ब्रह्मतेज से युक्त अनेक महामानव हुए। इसी प्रकार इस पावनभूमि में ऐसे विशिष्ट व्यक्ति भी हुए जो शारीरिक बल में बहुत बलशाली थे, परन्तु ब्रह्मतेज के साथ-साथ शास्त्र-बल का जो आश्चर्यजनक योग हनुमान में प्रकट हुआ, वह अन्यत्र दिखाई नहीं पड़ता। शुद्ध आचार, विचार और व्यवहार से जुड़ी हनुमान की ऐसी अनेक चारित्रिक व्याख्याएं हैं जिनमें जीवन और दर्शन का सही दृष्टिकोण सिमटा हुआ है।

हनुमान को बुद्धिमानों में अग्रगण्य माना जाता है। ऋग्वेद में उनके लिए 'विश्ववेदसम्' शब्द का प्रयोग किया गया है। इसका अभिप्रेत अर्थ है- विद्वानों में सर्वश्रेष्ठ। हनुमान अपने युग के विद्वानों में अग्रगण्य थे। उनकी गणना सामान्य विद्वानों में नहीं, बल्कि विशिष्ट विद्वानों में की जाती थी। वाल्मीकि रामायण में हनुमान को महाबलशाली घोषित करते हुए 'बुद्धिमतां वरिष्ठं' कहना पूर्ण युक्ति संगत है। 'रामचरितमानस' में भी उनके लिए 'अतुलित बलधामं' तथा 'ज्ञानिनामग्रगण्यम' इन दोनों विशेषणों का प्रयोग द्रष्टव्य है। ब्रह्मचारी हनुमानजी महान् संगीतज्ञ और गायक भी थे। इनके मधुर गायन को सुनकर पशु-पक्षी एवं सृष्टि का कण-कण मुग्ध हो जाता था।

हनुमान की विद्वता के साथ-साथ तर्क-शक्ति अत्यंत उच्च कोटि की थी। ऐसे अनेक प्रसंग है जब हनुमान ने अपनी तर्क-शक्ति से अनेक जटिल स्थितियों को सहज बना दिया। उनकी अलौकिक साधना एवं नैसर्गिक दिव्यता का ही परिणाम था कि वे भय और आशंका से भरे वातावरण में भी निःशंक और निर्भीक बने रहते थे। संकट की घड़ी में भी शांतचित्त होकर अपने आसन्न कर्तव्य का निश्चय करना उत्तम प्रज्ञा का प्रमाण है। हनुमान इस सर्वोत्कृष्ट प्रज्ञा से युक्त थे।

प्राचीन भारत की सर्वश्रेष्ठ भाषा संस्कृत और व्याकरण पर हनुमान का असाधारण अधिकार था। हनुमान ने सूत्र, वृत्ति, वार्तिक, महाभाष्य तथा संग्रह का भली-भांति अध्ययन किया था। अन्यान्य ग्रंथों तथा छंद-शास्त्र के ज्ञान में भी उनकी समानता करने वाला कोई नहीं था। संपूर्ण विद्याओं के ज्ञान में उनकी तुलना देवताओं के गुरु बृहस्पति से की गयी है। महर्षि अगस्त्य के अनुसार हनुमान नवों व्याकरणों के अधिकारी विद्वान थे। नोबेल पुरस्कार विजेता आक्टाभियो पाज का भी यह सुनिश्चित मत है कि हनुमान ने व्याकरण शास्त्र की रचना की थी।

मारुति नंदन, परमवीर, श्रीराम भक्त हनुमानजी की पवित्र मन से की गयी साधना और भक्ति चमत्कारपूर्ण परिणाम देने वाली है। हनुमानजी शिव के अवतार माने जाते हैं और ग्यारहवें रुद्र के रूप में इनकी मान्यता है। कहते है-मर्यादा पुरुषोत्तम राम की सार्वकालिक सेवा करने एवं रावण-वध में उनका सहयोग करने के लिए भगवान राम का अवतार लेने से पूर्व ही त्रेतायुग में शिवजी ने अपने ग्यारहवें रुद्र के रूप में अवतार लिया था। वह 'हनुमानजी' के पवित्र लोकोपकारी नाम से विख्यात हुए। महादेव का हनुमान के रूप में अवतरण लेने के सन्दर्भ में कहा जाता है कि भगवान विष्णु महादेव के इष्ट देव हैं। वे उनके श्रीचरणों के शाश्वत पुजारी हैं।

ई-253, सरस्वती कुंज अपार्टमेंट
25 आई. पी. एक्सटेंशन, पटपड़गंज, दिल्ली-92
फोन: 22727486, 9811051133

विचार सरिता

मन में बसे हैं राम 127 राम -लक्ष्मण ने अपने पिता तथा भाइयों, भरत - शत्रुघ्न से भेंट की

डॉ. योगेंद्र कुमार पांडेय

यह प्रस्ताव अचानक रखा गया था लेकिन इससे कक्ष में हर्ष की ध्वनि हुई। राजा कुशध्वज सुखद आश्चर्य से भर उठे। राजा दशरथ ने इस प्रस्ताव पर तुरंत स्वीकृति दे दी।

''गुरु विश्वामित्र की की इच्छा मेरे लिए आदेश है और अगर सांकाश्या नरेश की सम्मति हो, तो मैं इसे सहर्ष स्वीकार करता हूं।''

राजा कुशध्वज ने भाव विभोर होकर इस प्रस्ताव पर तुरंत स्वीकृति दे दी।

सभा विसर्जित हुई। जब श्री राम व लक्ष्मण जी वहां पहुंचे,तो महाराज जनक तथा उनका दल थोड़ी देर पहले ही प्रस्थान कर चुका था। दोनों भाइयों ने शीघ्रतापूर्वक पिता के कक्ष में प्रवेश किया। उन्होंने पिता महाराज दशरथ के चरण स्पर्श किए और पिता ने उन्हें गले से लगा लिया।

''आयुष्मान भवः राम! आयुष्मान भवः लक्ष्मण!

तुम दोनों ने अपने शौर्य से रघुवंश की कीर्ति पताका को दिक- दिगंत तक विस्तृत कर दिया है। तुम दोनों कैसे हो?''

''आपका आशीर्वाद और माताओं के नेह तिलक से हम सकुशल, सुरक्षित और आनंद से परिपूर्ण हैं पिताजी।'' राम ने उत्तर दिया।

''यह मेरे जीवन की अद्भुत यात्रा रही पिताजी! सघन वन में राक्षसों पर तीरों से प्रहार करते-करते हम यहां मिथिला पहुंच गए और शिव धनुष को देखने की इच्छा रखते-रखते भैया के शौर्य ने यहां की राजकुमारी के स्वयंवर की कठिन शर्त पूरी कर दी।'' लक्ष्मण जी ने महाराज दशरथ से कहा।

''शौर्य तो तुम्हारा भी अप्रतिम रहा है पुत्र और यहां की राजकुमारी उर्मिला का विवाह तुमसे तय किया गया है।'' राजा दशरथ ने कहा।

''पर पहले भरत भैया का ब्याह?'' लक्ष्मण जी के ऐसा पूछते - पूछते ही भरत और शत्रुघ्न ने कक्ष में प्रवेश किया और राम तथा लक्ष्मण से गले मिलकर भेंट की।

(भगवान श्री विष्णु के मनुज अवतार भगवान श्री राम और माता सीता की कथा हजारों वर्षों से भारतीय जनमानस में प्रचलित है। संस्कृत और हिंदी साहित्य से लेकर विश्व की अनेक भाषाओं में अब तक सैकड़ों रामायण लिखी गई हैं। लेखक ने इस रचना में श्री राम की महागाथा के विविध प्रसंगों से कथा प्रवाह की प्रेरणा प्राप्त की है। उन्होंने उन रचनाकारों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए एक साधारण भक्त की अपनी कल्पनादृष्टि से रामकथा की मौलिक साहित्यिक प्रस्तुति का प्रयत्न किया है।)

आज की मौलिक कविता

प्रेम और मित्रता
दो खास शब्द हैं;
प्रेम में है अविभाज्यता,
एकाकार होना
अनुभूति का समान स्तर
अपने प्रिय से।
मित्रता में है
एक जैसे विचार
आपसी समझ
एक भरोसा
कठिन स्थिति में भी
साथ का अहसास
अपने मित्र से।
प्रेम को
अपनी आत्मा में
महसूस करना है
तो मित्रता को
अपने हृदय में।
प्रेम और मित्रता में
द्वंद्व नहीं है कोई
ये हैं पूरक
एक दूसरे के।

तुक्तक कथा

राजनीति का भूत उतरा

बाबू जी ने छोटे बेटे छोटू को
समझा-समझा कर थक गये
कि बेटा! ये राजनीति-स्वार्थनीति के
पचड़े में मत पड़!
राजनीति से अपना मुख मोड़
और बड़े भाई की तरह अपनी इस,
किराना दुकान से नाता जोड़।
पर छोटू तो राजनीति में आकर
''आदरणीय भैयाजी'' हो गये थे
बड़े-बड़े नेताओं से मिलने में,
उनके साथ फोटू खिंचवाने में
फिर उसे अखबारों में छपवाने में,
टिकिट के लिए कोशिश करवाने में,
दिन-रात खो गये थे।
छोटू जी यह बात बखूबी समझ गये थे
कि कुर्सी से ही नेता की होती है पहचान।
कुर्सी है तो माला है, मोमेण्टो है,
तारीफ है, प्रशंसा है, हाथ जोड़े लोग खड़े हैं
जिनके मुख पर है सम्माननीय मुस्कान।
तो वे जुटे रहते बस इसी जुगाड़ में
कि किसी तरह उन्हें 'कुर्सी' मिल जाये।
बाबूजी का जो उनके प्रति चिढ़ है,
वो दूर हो और उनकी तबियत खिल जाये।।
पर अब जब छोटूजी ने प्रायः रोज ही देखा कि
सम्मान प्राप्त पूर्व कुर्सीचारी के घर
आती है ईडी फिर आता है सम्मन।
तो एक बार भी घबरा गया उनका मन।
तो आज वे राजधानी न जाकर
तुरन्त घर लौट आए।
बोले - ''बाबूजी! आप कहते हैं सही।
ये राजनीति सचमुच ठीक नहीं।
आप मुझे दुकान का
कामकाज सिखाएं।''
बाबू जी गद्गद हो गये।
एकदम खड़े होकर
उन्होंने बेटे को,
बड़े स्नेह से गले लगाए।

गिरीश बख्शी

कविता

।। बर बिहाव के कपड़ा लत्ता ।।

बर बिहाव के लुगरा कुरथा, येती ओती किंजरय जी।
देवईया कर झन लहुटय, मन संसो झन चिन्हय जी।।
क्वालिटी ले डिपेंड हावय, सगा पहुना के स्माईल हा।
दूरिहा ले चिनहा जाथे जी, उंखर रेंगे के स्टाईल हा।।
बने-बने खवई-पियई फेर, कहूँ देनी-लेनी कमजोरहा।
बगरे मा थोरको देरी नइ होवय, जाग जाथे मनथरहा।।
कपड़ा ले जादा सिलौनी खरचा, अतिथि देवन मन चरचा।
रेमण्ड, दिग्जाम मिलना चाही,चाहे गिरवी मा पट्टा परचा।।
ढेरहिन सुवासिन ला देखे,अउ देखे खांध मा डारे लुगरा।
रंग,प्रिंट, कैटलॉग मैचिंग देख,अपने अपन मुँहू उतरा।।
रीत रिवाज ले बाढ़त खरचा, कतेक दूरिहा जाही जी।
नता गोता दूरियावत हे तेहा,कइसन मा तिरियाही जी।।

रोशन साहू (मोखला)
7999840942

शब्द सामर्थ्य -035

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं : 1. लज्जत, जायका 2. मुकाबला, भेंट, होड़ 5. बंदी, कैद की सजा पाने वाला व्यक्ति 7. खल-पात्र, नाटक फिल्म आदि का बुरा पात्र 9. कामी, व्याभिचारी 10. [illegible] 13. [illegible] 15. [illegible] बहुवचन 17. दरवाजे-दरवाजे 20. एक राशि, मगर 22. नमी, सीलू, मुहर, ठप्पा 23. औषधालय, चिकित्सालय।

ऊपर से नीचे 1. आत्मनिर्भर, स्वालंबन भावना से [illegible] वस्तुओं के टकराने से उत्पन्न ध्वनि, बैर-विरोध, अनबन 8. खीरे की प्रजाति का एक फल 11. बेवकूफ, मूर्ख 12. बादल, मेघ 13. बहुत चालाक, होशियार 14. जिसका मत दूसरे से [illegible]

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 034 का हल

सू- दोकू क्र.035

	7			4		3		
2			3			9		4
	6			2				
3		1			7		4	
	2			1			6	
8			9		4			1
		2		3		7		
1			7		2	4		3
	5	3		8			7	2

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.034 का हल

9	2	8	3	1	5	7	4	6
4	1	6	8	9	7	2	5	3
7	3	5	4	6	2	8	1	9
2	7	3	9	8	1	4	6	5
5	4	1	6	7	3	9	2	8
6	8	9	2	5	4	1	3	7
3	6	2	7	4	9	5	8	1
8	5	7	1	2	6	3	9	4
1	9	4	5	3	8	6	7	2

कविता

कोई गीत लिखूं

राजनीति के नंगेपन पर
शासन के भिख मंगेपन पर
धंवल वस्त्र में कलुषित मन पर, उजली छवि के कालेधन पर,
लिखा बहुत ढहते समाज पर, हिंसा पर, आतंकराज पर
लगता अब कुछ दिनों, बुद्धि पर मन की जीत लिखूं
नदी किनारे बैठ छांव में, कोई गीत लिखूं
गीत की जिसमें खुली धूप हो, रजत चांदनी हो
फूलों के मोहक चेहरे हों, प्रिया कामिनी हो
गीत कि जिसमें पल-पल सांसों में चंदन महके
जिसमें बस ढाई आखर की मधुर रागिनी हो
शोर-शराबे, भीड़ से भरी जिन्दगी में
बच कर कोलाहल से, अंतर का संगीत लिखूं
गीत लिखूं जो हो अम्मा के लाड-दुलार भरे
डांट-डपट बाबू की, बाबा-दादी के चेहरे
बहना की राखी रोली हो, किस्से नानी के
जिनमें वरदहस्त भाई का, भाभी के नखरे
लैपटॉप से हट कुछ पल, बच कर मोबाईल से
घर परिजन से जुड़ी, सहज जीने की रीत लिखूं
गीत, कि जिनसे बनती, नये सृजन की नयी प्रथा
कहते हों, जो मित्रों के सुख-दुख से भरी कथा
आस-पास के रंग भरें, दें मौसम की आहट
जिनमें मुखरित होती हो, हम सब की पीर-व्यथा
घृणा, द्वेष, साजिश, षड्यंत्रों से शापित युग में,
नेह, त्याग, ताप भरे हृदय की, पावन प्रीति लिखूं
नदी किनारे बैठ छांह में, कोई गीत लिखूं।

विनोद निगम

राशिफल

मेष — आज आपका दिन उत्तम रहेगा। जीवनसाथी के साथ आपके रिश्ते मजबूत होंगे। किसी काम में लगाई गई आपकी मेहनत रंग लायेगी। करियर के लिए आज का दिन फेवरेबल रहेगा। ऑफिस में अधूरे पड़े कार्य आज पूरे हो जाएंगे, काम में सीनियर्स का पूरा सहयोग मिलेगा। बिजनेसमैन को आज धन लाभ होने की संभावना है।

वृषभ — आज आपके भाग्य के सितारे बुलंद होंगे। आज आपके सभी कार्य सिद्ध होंगे और आपका दिन शानदार रहेगा। नवविवाहित दंपत्ति के रिश्तें में मिठास बढ़ेगी। आज का दिन व्यावसायिक प्रगति के साथ-साथ स्वास्थ्य के लिहाज़ से अच्छा रहेगा। आज ऑफिस में आपके कार्यो की प्रशंसा होगी।

मिथुन — आज आपके मन में नए-नए विचार आयेंगे, लेकिन आपको अपने मन को नियंत्रित करना होगा। किसी के साथ बहसबाज़ी में ना पड़े। अगर शादीशुदा हैं तो अपने वैवाहिक जीवन को बेहतर बनाने के लिए किसी भी तरह की गलतफहमी ना पालें। आज आप किसी नए कार्य की योजना बनाएंगे।

कर्क — आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज आप सभी कार्यों में बहुत हद तक सफल रहेंगे। इस राशि की महिलाओं को आज के दिन कोई खुशखबरी मिलेगी। आज आपका आर्थिक पक्ष पहले की अपेक्षा और भी बेहतर होगा। आपको माता-पिता का सहयोग मिलेगा जिससे आप जीवन में आगे बढ़ने में सक्षम होंगे।

सिंह — आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। कोई रूका हुआ काम पूरा होने से आपको ख़ुशी मिलेगी। शाम तक आपको कोई शुभ समाचार प्राप्त होगा, जिससे घर का माहौल खुशियों से भर जायेगा। आसपास के लोग आपके व्यक्तित्व से प्रसन्न होंगे। आज आप ताजगी से परिपूर्ण रहेंगे। लवमेट के साथ आपका दिन बेहतर गुजरेगा।

कन्या — आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज लोगों के बीच आपके काम की तारीफ होगी। आर्थिक लाभ पाने के लिए आज आपको थोड़ी ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। आप किसी नए कार्य को लेकर योजना बनायेंगे। आज वाहन चलाते समय सावधानी ज़रूर बरतें। किसी मामले पर आपको बातचीत करते समय अपनी वाणी पर संयम बरतनी चाहिए

तुला — आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। आपको कुछ जरूरी कार्यों में दोस्तों की मदद मिलेगी। कई दिनों से अटका हुआ पैसा आज आपको वापस मिलेगा। स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन बेहतर परिणाम लेकर आया है। पहले से दी गई प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति में स्थिरता बनी रहेगी।

वृश्चिक — आज आपका दिन शानदार रहेगा। आज आप मंदिर दर्शन के लिए जाएंगे। आपके व्यवहार से कुछ लोग आज काफी प्रभावित होंगे। लोगों से आपको शुभ काम में मदद मिलेगी। आपसी विश्वास के सहारे आपके रिश्तों में मजबूती आएगी। आपकी कोई खास इच्छा जो काफी समय से अधूरी थी वो आज पूरी होगी।

धनु — आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। व्यवसाय में आपको फायदा हो सकता है। ऑफिस में किसी जरुरी काम को पूरा करने के लिए किसी सहकर्मी की मदद मिलेगी और आपको कार्य में सफलता भी हासिल होगी। आज अपने स्वास्थ्य का खास ख्याल रखने की जरूरत है। लवमेट से उपहार मिलेगा।

मकर — आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। पारिवारिक काम को पूरा करने में घर के सभी सदस्यों का सहयोग प्राप्त होगा। आज आपके सहपाठी किसी टॉपिक को समझने के लिए आपसे मदद लेंगे। इस राशि के महिलाओं के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। सेहत के लिहाज से आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। अ

कुंभ — आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। ऑफिस में आपके काम की तारीफ होगी। इससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। पारिवारिक रिश्ते आज और बेहतर होंगे। कलात्मक कार्यों में आपकी रूचि बढ़ेगी। किसी नए प्रोजेक्ट को शुरू करने से पहले मित्रों से सलाह करेंगे। आर्थिक मामलों को लेकर कुछ लोग मददगार साबित होंगे।

मीन — आज आपका दिन खुशनुमा रहेगा। आप जिस भी काम को पूरा करना चाहेंगे, उसमें आपको सफलता हासिल होगी। ऑफिस में सीनियर्स आपके काम से प्रसन्न होंगे। अपने व्यापार को बढ़ने के लिए नये प्लान बनाने की जरूरत है। आज आप किसी बात को लेकर विचारों में खोए रहेंगे। आज नए लोगों से आपकी मुलाकात होगी।

अनेक अनियमितता के लिए दोषी नवाज पर होगी बड़ी कार्रवाई - संतोष पाडे

मामला - छिपा समिति के सहायक प्रबंधक की आत्महत्या व समिति में की गई अनेक अनियमितताओं का

डोंगरगढ़ (दावा)। विकासखंड के ग्राम छिपा स्थित सहकारी समिति के सहायक प्रबंधक द्वारा की गई आत्महत्या सहित सोसाइटी में हुई अनेक अनियमिताओं को लेकर पुलिस प्रशासन की ओर से जिला सहकारी बैंक के पूर्व अध्यक्ष नवाज खान से पूछताछ की तैयारी के बीच नवाज खान फरार हो गए हैं। जिसकी तलाश पुलिस द्वारा उनके अनेक व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में की जा रही है।

आत्महत्या सहित अनियमितताओं के सभी मामलों में अपनी प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा से राजनांदगांव लोकसभा क्षेत्र में अपनी किस्मत आजमा रहे संतोष पांडे ने कहा कि, सिर्फ यह ग्राम छिपा ही नहीं खल्लारी गांव के किसान ने भी आत्महत्या की थी, कई ऐसे प्रकरण और भी है, जिसका खुलना होना अभी बाकी है।

जांच के बाद बचने वाले नहीं है नवाज -संतोष पाडे

जिला सहकारी बैंक में प्रशासक के रूप में कार्य के दौरान नवाज की ओर से की गई अनियमितताओं का भाजपा नेताओं द्वारा सिलसिले वार खुलासा किया जा रहा है। नवाज द्वारा की गई अनियमिताओं पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए सांसद संतोष पांडे ने कहा कि, कांग्रेस शासनकाल में नवाज द्वारा अर्जित आय से अधिक संपत्ति, एक महिला की आत्महत्या सहित अनेक मामलों की जांच प्रस्तावित है। नियमों को दरकिनार कर दर्जनों लोगों की नियुक्ति को विधानसभा प्रश्न उठने के बाद 50 लोगों को निकाल दिया गया है। ऐसे कई मामले है, जिसमें समय से जांच होगी, तो नवाज बचने वाले नहीं है। प्रशासन ने समय पर पहल की है, इसका मैं सम्मान करता हूं।

चींटी हो या हाथी कोई नहीं बदल सकता संविधान - मधुसूदन यादव

० डॉ. अंबेडकर के जीवनकाल की प्रमुख घटनाओं का समाज के बच्चों ने किया आयोजन

डोंगरगढ़ (दाबा)। भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष मधुसूदन यादव अपने डोंगरगढ़ प्रवास के दौरान श्री हनुमान जन्मोत्सव आयोजन के आज बाइक रैली कार्यक्रम में शामिल हुए। हजारों युवाओं के साथ नगर भ्रमण में युवाओं को संबोधित किया। हनुमान भक्त समिति के कार्यकर्ताओं को सफल आयोजन के लिए बधाई दी, साथ ही इस तरह के आयोजन को सफल बनाने समस्त नगरवासियो को लगातार सभी आयोजनों में अपनी सहभागिता बनाए रखने की बात कही। साथ ही श्री यादव ने कहा कि प्रभु राम व तीर हनुमान को मानने के साथ हमें उनकी कहीं बातों का उनके जीवनकाल्य का अनुसरण करना भी नितांत आवश्यक है। जिससे जरूर देश हिंदू राष्ट्र बन सकेगा।

डोंगरगढ़ नगर महिला बोद्ध धर्म की महिलाओं द्वारा केदारबाड़ी बार्ड नं. 3 में डॉ. भीमराव अंबेडकर के जीवनकाल की प्रमुख घटनाओं का समाज के बच्चों द्वारा एक दिवसीय आयोजन रखा गया। इस कार्यक्रम में श्री यादव शामिल होकर समाज प्रमुखजनों को कार्यक्रम की बधाई दी।

साथ ही कहा कि हर एक समाज के लिए शिक्षा सबसे ज्यादा जरूरी है। अभिभावकों को चाहिए कि भले वह अपनी जरूरतों को कम करें पर बच्चों को पढ़ाई जरूर कराए क्योंकि शिक्षा ही व्यक्ति को सही दिशा दिखा सकती है। आगे अपने संबोधन में श्री यादव ने कहा कि जैसे ही चुनाव आते है। विरोधी पार्टियां देश में हो रहे विकास की बात नहीं करती।

सिर्फ लोगों को गलत राह दिखाने का, लोगों में भ्रम फैलाने का कार्य करने लगती है और रही बात लोगों को गुमराह करने की अगर भाजपा की सरकार आएगी तो संविधान में संशोधन कर देगी, तो इस तरह का भ्रम फैलाने का कार्य बंद करें। आज देश में जो परिस्थिति का निर्माण हो चुका है, इसे देख ऐसा लगता है कि 2024 का चुनाव भाजपा नहीं देश की जनता लड़ रही है और देश की जनता ने अपना मन बना लिया है, फिर से नरेंद्र मोदी ही देश के प्रधानमंत्री होंगे। रही बात संविधान की तो 'चाहे चींटी हो या हाथी देश का संविधान कमल की तरह अटल है। इसे कोई नहीं बदल सकता।' विरोधी पार्टियां को खासकर कांग्रेस को इस तरह की बातों को करने से बचने की सलाह दी। मधुसूदन यादव के साथ डोंगरगढ़ के पूर्व विधायक विनोद खांडेकर, मंडल अध्यक्ष अमित जैन, मोनू भंडारी, अनिता लोकेश इंदुरकर, नागेंद्र परिहार, वीरेंद्र साहू, दुर्गेश साहू, लक्ष्मी यादव सहित भाजपा के कार्यकर्ता शामिल रहे।

पहला कॉलम...

रक्तदान महादान-मानव सेवा का लक्ष्य महान

० इंसान का रक्त नालियों में नही, इंसान की नाड़ियों में बहना चाहिये
० मानव को एकत्व के सूत्र में बांधता - मानव एकता दिवस

राजनांदगांव (दावा)। सतगुरू माता सुदीक्षा महाराज निरंकारी राजपिता के पावन सानिध्य में मानव एकता दिवस का आयोजन सम्पूर्ण विश्व में कल 24 अप्रैल बुधवार को किया जायेगा। यह दिन युग प्रवर्तक बाबा गुरू बचनसिंह के परोपकारी जीवन एवं उनकी कल्याण की भावना को समर्पित है इस कार्यक्रम में सम्मिलित होकर बाबा गुरू बचन सिंह एवं मिशन के अनन्य भक्त चाचा प्रताप सिंह को अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करेंगे और उनके महान जीवन से प्रेरणा लेते हुए सदगुरू के अमोलक वचन भी श्रवण करेंगे। संत निरंकारी मण्डल के सचिव एवं समाज कल्याण विभाग के प्रभारी जोगेन्दर सुखीजा ने जानकारी देते हुए बताया कि सतगुरू की असीम कृपा से हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी समुचे विश्व के विभिन्न स्थानों पर संत निरंकारी मिशन की समाज कल्याण शाखा संत निरंकारी चेरीटेबल फाउण्डेशन के तत्वाधान में रक्तदान शिविर का व्यापक स्तर पर आयोजन किया जावेगा जिसमें मानवता की भलाई हेतु रक्तदाता, रक्तदान कर निःस्वार्थ सेवा का उदाहरण प्रस्तुत करेंगे। राजनांदगांव संत निरंकारी मण्डल के संयोजक रूपलाल राजवानी की अध्यक्षता में सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है। रक्त संग्रहित करने के लिये राजनांदगांव जिला चिकित्सालय के डॉ. एवं उनकी पूरी टीम सहयोग करने के लिये तत्पर है, संत निरंकारी सत्संग भवन लालबाग राजनांदगांव में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है। यह आयोजन पिछले 14 सालों से किया जा रहा है पिछले साल रक्तदाताओं से 115 युनिट रक्तदान किया गया था जो कि जिला चिकित्सालय में जमा कर दिया गया था। युग प्रवर्तक बाबा गुरू बचन सिंह ने अपना सम्पूर्ण जीवन मानवता के कल्याणार्थ समर्पित किया, उन्होंने ब्रम्हज्ञान की दिव्य अनुभूति द्वारा मानव को मानव से जोड़कर प्रेम और मिठास की सदा बहने वाली निर्मल धारा को प्रवाहित कर हर दिल में अपना स्थान बनाया। प्रत्येक भक्त के जीवन को वास्तविक रूप से एक व्यवहारिक दिशा प्रदान की जिसके लिये मानवता उनकी सदैव ही ऋणी रहेगी। उनकी इन्ही दिव्य सिखलाईयों को वर्तमान में सतगुरू माता सुदीक्षा महाराज, समय के प्रकाश पूंज रूप में प्रवाहित कर रहें है जिसकी रोशनी से हर मानव अपने जीवन का सकारात्मक रूप में कल्याण कर रहा है। युग दृष्टा बाबा हरदेव सिंह द्वारा सन् 1986 से आरंभ हुई यह परोपकार का यह मुहिम महा अभियान के रूप में आज अपने चरमोत्कर्ष पर है। इन शिविरों में अभी तक 13,31,906 युनिट रक्त मानव मात्र की भलाई हेतु दिया जा चुका है और यह सेवाएं निरन्तर जारी है।

उक्त जानकारी मिडिया प्रभारी मदनलाल नवलानी ने दी एवं जनता जनार्दन से अपील की है कि जिस किसी भाई बहन को निःस्वार्थ रक्तदान करना हो वह सुबह 10 बजे निरंकारी सत्संग भवन लालबाग हेमू कालाणी नगर में आकर पंजीयन करा सकते है। सतगुरू बाबा हरदेव सिंह महाराज हमेशा अपने अमृतमय प्रवचनों में कहा करते थे कि इंसान का रक्त इंसान की नाड़ियों में बहना चाहिये, नालियों में नहीं।

संगवारी हेल्प डेस्क में महिला अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई

बालोद (दावा)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के सुगम संचालन हेतु मतदान कर्मी कल्याण प्रबंधन के अंतर्गत सामग्री वितरण और वापसी केन्द्रों में महिला मतदान कर्मियों के आवश्यक मार्गदर्शन एवं सहायता हेतु एवं स्वच्छ प्रसाधन, आवास, भोजन व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु विधानसभावार संगवारी हेल्प डेस्क में महिला अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है। इसके अंतर्गत विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 59 संजारी बालोद के लिए सहायक अभियंता लोक निर्माण विभाग सुश्री रितु खरे को प्रभारी अधिकारी बनाया गया है। इसी तरह सहयोगी अधिकारी के रूप में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के उप अभियंता श्रीमती तृप्ति ठाकुर एवं सुश्री प्रियंका ध्रुवे तथा कृषि उपज मंडी बालोद के उप निरीक्षक श्रीमती कीर्ति धलेन्द्र की ड्यूटी सहयोगी अधिकारी के रूप में लगाई गई है। इसी तरह विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 60 डौण्डीलोहारा के लिए नगर पंचायत गुरूर के उप अभियंता श्री लक्ष्मी रात्रे को प्रभारी अधिकारी बनाया गया है। इसके अलावा जल संसाधन विभाग मोंहदीपाट जलाशय के उप अभियंता सुश्री स्वाति, जल संसाधन विभाग खरखरा जलाशय के उप अभियंता सुश्री शारदा कुंजाम एवं कृषि उपज मण्डी बालोद के उप निरीक्षक सुश्री दीपज्योति नेताम की ड्यूटी सहयोगी अधिकारी के रूप में लगाई गई है। इसी तरह विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 61 गुण्डरदेही के लिए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के उप अभियंता सुश्री योगेश्वरी जोशी को प्रभारी अधिकारी बनाया गया है।

पूर्व विधायक विनोद खाण्डेकर का जनसम्पर्क

घुमका (दावा)। पूर्व विधायक विनोद खांडेकर का डोंगरगढ़ विधानसभा के गांव बहेराभाठा, मालाडबरी, जुरलाखुर्द, इरईखुर्द के लोगों के बीच जनसम्पर्क किया गया। जनसंपर्क दौरा कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं नोमेश वर्मा, नरेन्द्र वर्मा, ललित साहू, रामकुमार वर्मा, अजय ठाकुर, विनोद बघेल, अक्षय क्षत्री, राकेश साहू, दिलीप पटेल, अनिल सिंह, रूपनारायण साहू, दीपक वर्मा आदि उपस्थित रहे। संतोष पांडे को विजयी बनाने संघन जनसम्पर्क दौरा कार्यक्रम सफल रहें।

दिव्यांग रथ ने डौंडीलोहारा विकासखण्ड के विभिन्न ग्रामों में निःशुल्क परिवहन सुविधा का किया प्रचार

बालोद (दावा)। लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के अंतर्गत जिले के मतदान केन्द्र तक आने-जाने के लिए निःशुल्क परिवहन सुविधा प्रदान किए जाने हेतु शुरू किए गए दिव्यांग रथ का प्रचार वाहन आज डौंडीलोहारा विकासखण्ड पहुँचा। प्रचार वाहन के माध्यम से डौंडीलोहारा विकासखण्ड के विभिन्न ग्रामों में भ्रमण कर लोगों को उक्त वाहन के माध्यम से मतदान दिवस पर मिलने वाली सुविधा का प्रचार-प्रसार किया गया। उल्लेखनीय है कि भारत निर्वाचन आयोग के द्वारा की गई नई व्यवस्था के फलस्वरूप चलने-फिरने में असमर्थ दिव्यांगों एवं 80 वर्ष से अधिक की आयु के बुजुर्ग मतदाताओं को अब अपने मताधिकार के प्रयोग करने हेतु मतदान केन्द्र तक आने-जाने में किसी प्रकार की भी परेशानी नही होगी।

निगम की स्वच्छता दीदीयॉ एवं सामुदायिक संगठक शत-प्रतिशत मतदान कराने कसी कमर

० कम मतदान प्रतिशत वाले क्षेत्रों में घर-घर जाकर मतदान करने कर रही है अपील
० 26 अप्रैल को मतदान करने शपथ पत्र भरा, दे रही संदेश

राजनांदगांव (दावा)। लोकसभा निर्वाचन के लिये नागरिकों को लोकतंत्र में भागीदारी सुनिश्चित कराने 26 अप्रैल को मतदान केन्द्र में पहुँचकर मतदान करने निगम की स्वच्छता दीदीया एवं राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन की सामुदायिक संगठक व महिला समूह घर-घर जाकर संदेश दे रही है। निगम की स्वच्छता दीदी एवं सामुदायिक संगठक राजनांदगांव निगम सीमाक्षेत्र के कम मतदान वाले क्षेत्रों में प्रतिदिन घर घर पहुँचकर नागरिकों को मतदान करने शपथ पत्र भराकर प्रेरित कर रही है।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी के मार्गदर्शन में लोकसभा निर्वाचन 2024 के लिये मतदाताओं को मतदान के लिये प्रेरित करने विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है, इसी कडी में निगम आयुक्त अभिषेक गुप्ता के नेतृत्व में निगम की स्वच्छता दीदी एवं सामुदायिक संगठक कम मतदान वाले क्षेत्रों में शत प्रतिशत मतदान कराने कमान संभाली है।

मतदाता जागरूकता अभियान के संबंध में आयुक्त श्री गुप्ता ने बताया कि विधानसभा में निगम सीमाक्षेत्र के कम मतदान वाले लगभग क्षेत्रों ममता नगर, तुलसीपुर, वर्धमान नगर, स्टेशन पारा, रेल्वे कालोनी, टाका पारा, शंकरपुर, मुदलियार कालोनी, बल्देवबाग, न्यू सिविल लाईन, महेन्द्र नगर, प्रताप नगर, कलार पारा, हमाल पारा, गोल बाजार, जूनी हटरी, दीवान पारा, सोनार पारा, ब्राम्हण पारा, गौशाला पारा, ठेठवार पारा, हीरामोती लाईन, बासपाई पारा, चौखडिया पारा, ठेठवार पारा, कामठी लाईन, रामाधीन मार्ग, सदर बाजार, गंज लाईन, कैलाश नगर, केशर नगर कंचन बाग आदि क्षेत्रों में जहॉ एक ओर स्वच्छता दीदीयॉ कचरा संग्रहण के साथ साथ 26 अप्रैल को शत प्रतिशत मतदान करने अपील कर रही है, वही राष्ट्रीय शहरी आजिविका मिशन की सामुदायिक संगठक अपने कार्यो के साथ साथ नागरिकों को मतदान करने शपथ दिलाकर शपथ पत्र भरवा रहे है।

आयुक्त श्री गुप्ता ने बताया कि इनसे प्रेरित होकर राष्ट्रीय शहरी आजिविका मिशन से जुडी महिला समूहों द्वारा मतदाता शपथ भी ली जा रही है।

उनके द्वारा लोकतंत्र में अपनी आस्था रखते हुये अपने देश की लोकतांत्रिक परमपराओं की मर्यादा को बनाये रखने किसी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना मतदान करने शपथ ली जा रही है।

हिन्दी विभाग के छात्र-छात्राओं को कराया गया मां बम्लेश्वरी सिलाई कढ़ाई प्रशिक्षण केंद्र भ्रमण

डोंगरगढ़ (दावा)। शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगढ में प्रभारी प्राचार्य डॉ. श्रीमती ई. व्ही. रेवती के दिशा-निर्देशन एवं डॉ. हिन्दी विभाग की डॉ. नीता राजपूत एवं नीलम सिन्हा के नेतृत्व में आपसी सहयोग एवं समन्वय (एमओयू) अंतर्गत 19 अप्रैल को स्नातकोत्तर हिंदी के छात्र-छात्राओं को मां बम्लेश्वरी ट्रस्ट समिति द्वारा संचालित मां बम्लेश्वरी सिलाई कढ़ाई प्रशिक्षण केंद्र डोंगरगढ़ का भ्रमण कराया गया।

सिलाई केंद्र की संचालिका श्रीमती दीप्ति श्रीवास्तव द्वारा सिलाई प्रशिक्षण संबंधी जानकारी देते हुए बताया गया कि यहां सिलाई प्रशिक्षण तीन पालियों में संचालित किया जाता है। यहां पर विविध प्रकार के कपड़ों की सिलाई सिखाई जाती है साथ ही माता रानी के पोशाक यहां बनाए जाते हैं। प्रशिक्षण शुल्क मात्र 50 रूपये प्रतिमाह लिया जाता है। यहां पर लड़कियां एवं महिलाएं बड़ी संख्या में सिलाई सीखने आती हैं। सिलाई कढ़ाई में प्रशिक्षित होने के पश्चात में स्वरोजगार के क्षेत्र में भी आगे बढ़ती है। मां बम्लेश्वरी ट्रस्ट समिति के मैनेजर लक्ष्मीचंद गुनी द्वारा भी सिलाई कढ़ाई के प्रति रुचि हेतु छात्र-छात्राओं को प्रेरित किया गया। इस भ्रमण में हिंदी द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर के समस्त छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। कई छात्र-छात्राओं द्वारा अपनी मुख्य परीक्षा के बाद वहां जाकर सिलाई कढ़ाई सीखने हेतु अपनी रुचि जाहिर की गई है।

तलवार लहराकर लोगों को डराने वाला व्यक्ति गिरफ्तार

डोंगरगढ़ (दावा)। आगामी लोकसभा निर्वाचन- 2024 को थाना क्षेत्र में शांतिपूर्वक एवं निष्पक्ष सम्पन्न कराने हेतु डोंगरगढ़ पुलिस द्वारा क्षेत्र में लगातार अवैध गतिविधियों, शराब कोचियों, सटोरियों, संदिग्ध व्यक्तियों, पॉकेटमार, चाकुबाज एवं अन्य असामाजिक तत्वों पर कड़ी निगरानी रखकर लगातार कार्यवाही की जा रही है।

इसी कड़ी में 21 अप्रैल को सूचना मिली की इंदिरा नगर डोंगरगढ़ निवासी अशोक कुमार मंडावी पिता स्व. प्रेमलाल मंडावी उम्र 27 साल करबला चौक डोंगरगढ़ के पास अपने पास लोहे का धारदार तलवार रखकर लोगों-को दिखाकर लहराकर डरा धमका रहा है कि, सूचना पर डोंगरगढ़ पुलिस तत्काल मौके पर पंहुचकर आरोपी अशोक कुमार मण्डावी को तलवार लहराकर लोगों को डराते धमकाते रंगे हाथ पकड़कर आरोपी से एक नग लोहे का धारदार तलवार को जप्त कर आरोपी के विरूद्ध धारा-25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत कार्यवाही किया गया है।

मोहड़ में हुई भाजपा की चुनावी सभा

डोंगरगांव (दावा)। गत दिनों डोंगरगांव विधानसभा के ग्राम मोहड़ में लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा के प्रत्याशी संतोष पांडे के प्रचार हेतु छ.ग. शासन के केबिनेट मंत्री लखन लाल देवांगन का चुनावी सभा हुई, जिसमे भाजपा के प्रत्याशी संतोष पांडे के पक्ष में अधिक से अधिक मतदान हेतु ग्राम मोहड़ के लोगो को प्रेरित किया गया, साथ ही साथ सभा में भाजपा पार्टी के प्रति अपनी निष्ठा जताते हुए डोंगरगांव देवांगन समाज के पूर्व अध्यक्ष व से. नि. शिक्षक अकबर राम देवांगन ने मंत्री लखन लाल देवांगन के समक्ष पार्टी में निष्ठा जताते हुए भाजपा प्रवेश किया, उक्त सभा में प्रमुख रूप से पूर्व सांसद प्रदीप गांधी, लोकसभा चुनाव के सह संयोजक दिनेश गांधी, मंडल अध्यक्ष रामकुमार गुप्ता, लक्ष्मीनारायण गुप्ता, पवन जैन, सेक्टर प्रभारी चुन्नी यदु, सह प्रभारी गुलशन हिरवानी, जिला पंचायत सदस्या श्रीमति जागृति यदु, जेठू लोढ़ा, ओमेश यदु, ललित देवांगन, रोशन देवांगन, चंद्रशेखर वैष्णव सहित सेक्टर के भाजपा सदस्य उपस्थित थे।

सफलतापूर्वक मतदान संपन्न कराने में सेक्टर अधिकारियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण : कलेक्टर

बालोद । कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल ने कहा कि सेक्टर अधिकारी सम्पूर्ण निर्वाचन प्रक्रिया की महत्वपूर्ण कड़ी है। उन्होंने कहा कि सफलतापूर्वक मतदान संपन्न कराने में सेक्टर अधिकारियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री चन्द्रवाल ने आज जिला पंचायत सभाकक्ष में लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के अंतर्गत नियुक्त किए गए जिले के सभी सेक्टर अधिकारियों की बैठक लेकर उन्हें कार्यों एवं दायित्वों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। जिससे की बालोद जिले में निर्विघ्न रूप से एवं सफलतापूर्वक मतदान संपन्न हो सके। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. संजय कन्नौजे, उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री चन्द्रकांत कौशिक सहित सभी सहायक रिटर्निंग ऑफिसर, तहसीलदार, जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारियों के अलावा सेक्टर अधिकारीगण उपस्थित थे।

श्री चन्द्रवाल ने सभी सेक्टर अधिकारियों को पूरे मनोयोग से प्रशिक्षण प्राप्त कर अपने कार्यों एवं दायित्वों के संबंध में सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त करने को कहा। जिससे की उन्हें कार्य संपादन में किसी प्रकार की दिक्कत न हो सके। उन्होंने कहा कि निर्वाचन संबंधी कार्यों के अंतर्गत जिले में किसी भी स्थिति में लॉ एंड ऑर्डर की स्थिति निर्मित नही होनी चाहिए। इसके लिए निर्वाचन संबंधी कार्यों को शत प्रतिशत सही एवं त्रुटिरहित ढंग से पूरा करना अत्यंत आवश्यक है। श्री चन्द्रवाल ने सभी सेक्टर अधिकारियों को अपने अधिनस्थ सभी मतदान केन्द्रों के साथ-साथ संगवारी एवं दिव्यांग मतदान केन्द्रों का तत्काल निरीक्षण कर वहाँ सभी व्यवस्थाएँ सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी सेक्टर अधिकारियों को अपने-अपने प्रभार क्षेत्रों में मोबाईल नेटवर्क का भी जाँच करने के निर्देश दिए। जिससे की मतदान के दौरान जानकारी प्रेषित करने तथा संपर्क स्थापित करने में किसी भी प्रकार की कठिनाई न हो। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने सेक्टर अधिकारियों को मतदान दिवस से 72 घण्टे पूर्व की तैयारियों के संबंध में भी विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने सेक्टर अधिकारियों को मतदान केन्द्रों में न्यूनतम आवश्यक सुविधाओं के अंतर्गत अपने प्रभार वाले सभी मतदान केन्द्रों में रैम्प, पेयजल, बिजली की सुविधा के अलावा शौचालय, छांव, पर्याप्त फर्नीचर आदि की व्यवस्था सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।

इसके अलावा उन्होंने सेक्टर अधिकारियों को मतदान दिवस से 48 घण्टे पूर्व की तैयारियों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारियां दी। इसके अंतर्गत उन्होंने सभी सेक्टर अधिकारियों को मतदान दलों के ठहरने, रात्रि विश्राम एवं भोजन की व्यवस्था सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। श्री चन्द्रवाल ने मतदान दिवस से 24 घण्टे पूर्व की जाने वाली तैयारियों के संबंध में भी विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

पहला कॉलम...

अमेरिकी पत्रकार टेरी एंडरसन का निधन

नई दिल्ली। अमेरिकी पत्रकार टेरी एंडरसन का 76 वर्ष का आयु में निधन हो गया है। उनकी बेटी सुलोम एंडरसन इस बारे में जानकारी दी है। टेरी एंडरसन को इस्लामी आतंकियों ने लेबनान में करीब सात वर्षों तक बंधक बनाकर रखा था। एडरसन को बंधक बनाए जाने की चर्चा पूरी दुनिया में हुई थी। टेरी एंडरसन ने रविवार को अपने न्यूयॉर्क स्थित घर पर अंतिम सांस ली। टेरी एंडरसन एसोसिएटेड प्रेस में मध्य पूर्व के मुख्य संपादक थे। एडरसन को नाम उन लोगों में सबसे ऊपर है जिन्हें लेबनान में पश्चिमी नागरिक के तौर पर सबसे लंबे समय तक बंधक बनाकर रखा गया था।

रॉयटर्स में छपी रिपोर्ट के मुताबिक, टेरी की बेटी सुलोम ने बताया कि उसके पिता ने बंधक रहते हुए काफी कष्ट झेला। सुलोम ने कहा %वह चाहेंगे कि लोग उन्हें उनके सबसे बुरे अनुभव के लिए याद ना रखें बल्कि उनके द्वारा किए गए सामाजिक कार्यों के लिए उन्हें याद रखा जाए। जैसे उन्होंने वियतनाम के बच्चों के लिए फंड बनाया। पत्रकारों की सुरक्षा के लिए समिति बनाने समेत कई अच्छे काम किए।

तेजी के साथ बंद हुआ भारतीय बाजार

नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार में सोमवार का कारोबारी सत्र तेजी वाला रहा। बाजार के सभी सूचकांक हरे निशान में बंद हुए हैं। सेंसेक्स 560 अंक या 0.77 अंक और निफ्टी 189 अंक या 0.86 प्रतिशत बढ़तक 22,336 अंक पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी बैंक 350 अंक या 0.74 प्रतिशत बढ़कर 47,924 अंक पर बंद हुआ। एनएसई पर 01632 शेयर हरे निशान में और 601 शेयर लाल निशान में बंद हुए हैं। ऑटो, आईटी, पीएसयू बैंक, फिन सर्विस, फार्मा, मेटल, एफएमसीजी, रियल्टी, मीडिया, एनर्जी, पीएसई और इन्फ्रा के शेयर तेज उछाल के साथ बंद हुए।

एलएंडटी, एक्सिस बैंक, बजाज फाइनेंस, अल्ट्राटेक सीमेंट, विप्रो, एसबीआई, आईसीआईसीआई बैंक, एचसीएल टेक, इन्फोसिस, टेक महिंद्रा, सन फार्मा, एशियन पेंट्स, टाटा मोटर्स, टीसीएस, टाइटन, कोटक महिंद्रा, नेस्ले, भारती एयरटेल, बजाज फिनसर्व, पावर ग्रिड, रिलायंस, मारुति सुजुकी, एचयूएल, एमएंडएम और आईटीसी गेनर्स की लिस्ट में है। टाटा स्टील, इंडसइंड बैंक, जेएसडब्लू स्टील, एचडीएफसी बैंक और एनटीपीसी लूजर्स की लिस्ट में है। एशियाई बाजारों में आज मिलाजुला हाल देखा गया। टोक्यो, हांगकांग, सियोल और बैंकॉक के बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। वहीं, ताइपे, शंघाई और जकार्ता के बाजारों में गिरावट देखी गई। अमेरिका के बाजार शुक्रवार को मिलेजुले बंद हुए थे। कच्चे तेल में भी आधा प्रतिशत की गिरावट देखी जा रही है। ब्रेंट क्रूड 86 डॉलर प्रति बैरल और डब्लूटीआई क्रूड 82 डॉलर प्रति बैरल के करीब बना हुआ है।

इजरायली सेना के खुफिया प्रमुख ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली। इजरायली सेना के खुफिया प्रमुख अहरोन हलीवा ने सोमवार को इस्तीफा दे दिया, इस इस्तीफे को इजरायल की सेना स्वीकार करते हुए अहरोन हलीवा को धन्यावाद दिया है. सेना ने कहा कि सैन्य खुफिया निदेशालय के प्रमुख ने हमास हमलों की वजह से हलीवा ने इस्तीफा दिया है. इजरायल के इतिहास में सबसे घातक हमले में अपनी भूमिका से इस्तीफा देने वाले अहरोन हलीवा पहले वरिष्ठ व्यक्ति बन गए. मेजर जनरल अहरोन हलीवा के इस्तीफे के बाद माना जा रहा है अब उन सभी अधिकारियों को पर इसका बुरा प्रभाव पड़ेगा, जो हमास हमले को रोकने में फेल साबित हुए. क्योंकि बगैर किसी चुनौती के हमास के आंतकवादी घंटों तक इजरायल में तोड़फोड़ करते रहे और 1200 लोगों को मौत के घाट उतार दिया. साथ ही 250 लोगों को बंधक बना लिया. फिलहाल, उस हमले के बाद इजरायल ने गाजा में हमास के खिलाफ युद्ध की शुरुआत की जो अब सातवें महीने में है.

कुवैत में पहली बार शुरू हुआ हिंदी में रेडियो प्रसारण

नई दिल्ली। कुवैत में भारतीय दूतावास ने सोमवार को जानकारी दी कि देश में पहला हिंदी रेडियो प्रसारण शुरू हो गया है. हर रविवार को कुवैत रेडियो पर एफएम 93.3 और एएम 96.3 पर एक हिंदी प्रोग्राम शुरू करने के लिए एंबेसी ने कुवैत के सूचना मंत्रालय की सराहना की. भारतीय दूतावास ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह कदम भारत और पश्चिम एशियाई राष्ट्र के बीच रिश्तों को और मजबूत करने का काम करेगा. एक्स पर एक पोस्ट में, कुवैत में भारतीय दूतावास ने कहा, %कुवैत में पहले हिंदी रेडियो प्रसारण की शुरुआत! भारतीय दूतावास प्रत्येक रविवार को एफएम 93.3 और एएम 96.3 पर कुवैत रेडियो पर एक हिंदी प्रोग्राम शुरू करने के लिए सराहना करता है. एक ऐसा कदम जो भारत-कुवैत रिश्ते को और मजबूत करेगा. एएनआई के मुताबिक लगभग 1 मिलियन तदाद वाली इंडियन कम्युनिटी कुवैत में सबसे बड़ा प्रवासी समुदाय है और इसे प्रवासी समुदायों के बीच पहली पसंद का समुदाय माना जाता है.

यशस्वी की शतकीय पारी ने मुंबई इंडियंस नौ विकेट से हराया

जयपुर । संदीप शर्मा की 18 रन देकर पांच विकेट की घातक गेंदबाजी के बाद यशस्वी जायसवाल नाबाद (104) और संजू सैमसन नाबाद (38) की शानदार पारियों की बदौलत राजस्थान रॉयल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 38वें मैच में मुंबई इंडियंस को नौ विकेट हरा दिया है। यह राजस्थान की आठ मैचों में सातवीं जीत हैं।

राजस्थान रॉयल्स ने 180 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और जॉस बटलर की जोडनी अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 74 रन जोड़े। सातवें ओवर में पीयुष चावला ने जॉस बटलर को आउट कर मुम्बई को पहली सफलता दिलाई। बटलर ने 25 गेंदों में छह चौकों की मदद से 35 रन बनाये। कप्तान संजू सैमसन ने 28 गेंदों में दो चौके और दो छक्के लगाते हुए नाबाद 38 रन बनाये। वहीं यशस्वी जायसवाल ने 59 गेंदों में आठ चौके और सात छक्के लगाते हुए नाबाद 104 रनों की पारी खेली। राजस्थान ने 18.4 ओवर में एक विकेट पर 183 रन बनाकर मुकाबला नौ विकेट से जीत लिया। मुम्बई की ओर से पीयुष चावला को एक विकेट मिला। हालांकि मैच के दौरान हुई बारिश के कारण कुछ देर खेल रुका रहा। लेकिन मुम्बई के गेंदबाज उसका फायदा नहीं उठा सके। इससे पहले तिलक वर्मा (49) और नेहाल वढेरा (49) की शानदार पारियों के दम पर मुंबई इंडियंस ने सोमवार को राजस्थान रॉयल्स को जीत के लिए 180 रनों का लक्ष्य दिया था। आज यहां सवाई मानसिंह स्टेडियम में मुम्बई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी मुम्बई इंडियंस की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने रोहित शर्मा (6) का विकेट गवां दिया। अगले ही ओवर में इशान किशन बिना खाता खोले ही पवेलियन लौट गये। सूर्यकुमार यादव (10) रन बनाकर आउट हुये। उसके बाद तिलक वर्मा और मोहम्मद नबी ने पारी को संभालने का प्रयास किया। नबी ने 17 गेंदों में दो चौके और एक छक्का लगाते हुए 23 रन बनाये। उन्हें चहल ने अपनी ही गेंद पर कैच आउट किया। नेहाल वढेरा ने तिलक के साथ पांचवें विकेट लिये 99 रनों की साझेदारी कर टीम के स्कोर को मजबूती दी। नेहाल वढ़ेरा ने 24 गेंदों में तीन चौके और चार छक्के लगाते हुए 49 रन बनाये। उन्हें बोल्ट ने संदीप के हाथों कैच आउट कराया। कप्तान हार्दिक पंड्या (10) को आवेश खान ने पगबाधा आउट किया। तिलक वर्मा ने 45 गेंदों में पांच चौके और तीन छक्के लगाते हुए 65 रनों की पारी खेली। टिम डेविड (तीन) रन बनाकर आउट हुये। पीयूष चावला (1) और जसप्रीत बुमराह (2) रन बनाकर नाबाद रहे। संदीप शर्मा की घातक गेंदबाजी मुंबई की टीम को निर्धारित 20 ओवरों में नौ विकेट पर 179 रन का स्कोर रोक दिया था। राजस्थान रॉयल्स की ओर से संदीप शर्मा ने पांच विकेट चटकाये। ट्रेंट बोल्ट ने दो विकेट लिये। आवेश खान और यजुवेंद्र चहल ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इसके लिए तो कार्तिक को इस्तीफा देना होगा, विकेटकीपर के टी20 विश्व कप में खेलने के सपने पर पर बोले टॉम मूडी

नई दिल्ली। इसमें दो राय नहीं कि इस महीने का आखिर या मई की शुरुआत में टी20 विश्व कप के लिए घोषित होने वाली भारतीय टीम के लिए विकेटकीपर की रेस बहुत ही रोचक हो चली है. खासकर वेटरन विकेटकीपर और हालिया मैचों में खासा प्रभावित करने वाले दिनेश कार्तिक के विश्व कप में खेलने की इच्छा जताने के बाद यह रेस खासी रोचक हो गई हैं. वहीं, ध्यान देने वाली बात यह भी है कि शनिवार को घरेलू मैदान और बैटिंग पिच पर ऋषभ पंत के दिखे खासे संघर्ष के बाद यह देखना रुचिकर होगा कि अजित अगरकर एंड कंपनी विकेटकीपर को लेकर क्या फैसला लेती है, लेकिन कार्तिक के विश्व कप में खेलने की इच्छा पर कंगारू पर्व ऑलराउंडर टॉम मूडी ने बहुत ही रुचिकर बयान दिया है. जियो सिनेमा पर कमेंट्री करते हुए कार्तिक के मामले पर विमर्श के दौरान मूडी ने कहा कि सीनियर विकेटकीपर बल्लेबाज को अगर विश्व कप में खेलना है, तो उन्हें पार्ट-टाइम कमेंटेटर के रोल से इस्तीफा देना होगा. उन्होंने कहा कि उनका प्रस्ताव ठीक बात है, लेकिन मेरा सोचना यह है कि टीम इंडिया के लिए उपलब्ध रहने के लिए कार्तिक को विश्व कप कमेंट्री टीम से हटना होगा. कार्तिक टूर्नामेंट शुरू होने से पहले ही कह चुके हैं कि यह संस्करण उनका आखिरी आईपीएल होगा. जहां तक इस सीजन की बात है, तो आरसीबी ने अभी तक टूर्नामेंट में लगभग आधा पड़ाव पार कर लिया है. और दिनेश कार्तिक ने बेंगलुरु के लिए कोहली के बाद दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं. कार्तिक ने 8 मैचों की 7 पारियों में 62.75 के औसत से 251 रन बनाए हैं. इसमें दो बेहतरीन अर्द्धशतक शामिल हैं. स्ट्रा-रेट में वह कोहली पर भी भारी हैं.

हर्षल पटेल फिर पर्पल कैप की रेस में

नई दिल्ली। आईपीएल 2024 का आधे से ज्यादा सीजन निकल गया है। सभी टीमें 7 से 8 मैच खेल चुकी हैं और अब प्लेऑफ की रेस और भी तगड़ी होती जा रही है। इस बीच अगर इस साल सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की बात करें तो मुंबई इंडियंस के जसप्रीत बुमराह नंबर एक पर काबिज हैं, लेकिन पिछले दो मैचों में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए हर्षल पटेल ने बुमराह को चुनौती देने की ठानी है। उन्हें पंजाब किंग्स ने महंगे दामों पर खरीदा था।

इंडियन प्रीमियर लीग के इस सीजन में अब जसप्रीत बुमराह और हर्षल बराबरी पर पहुंच गए हैं। दोनों ने 13 विकेट अपने नाम कर लिए हैं। लेकिन इसके बाद भी नंबर एक पर बुमराह ही है, क्योंकि उनकी इकॉनमी काफी बेहतर है। हर्षल पटेल जो इस रेस में कहीं दिख नहीं रहे थे, उन्होंने पिछले दो मैचों में 6 विकेट अपने नाम किए और वे सीधे दूसरे स्थान पर जा पहुंचे हैं, इससे राजस्थान रॉयल्स के युजवेंद्र चहल तीसरे स्थान पर चले गए हैं। इस बीच गौर से देखें तो जसप्रीत बुमराह ने 7 मैचों में 13 और युजवेंद्र चहल ने 7 मैचों में 12 विकेट लिए हैं, लेकिन हर्षल पटेल के 13 विकेट 8 मैचों के बाद आए हैं।

सीरिया में अमेरिकी फौज के ठिकानों पर हुआ हमला

नई दिल्ली। एक तरफ जहां मध्य पूर्व में जंग के हालात बने हुए हैं तो वहीं दूसरी ओर इराक से भी अमेरिका के सैन्य अड्डों को निशाना बनाया जा रहा है। ताजा घटनाक्रम में इराक के जुम्मर शहर से उत्तर पूर्वी सीरिया में अमेरिकी सैन्य अड्डे की ओर कम से कम पांच रॉकेट दागे गए हैं। इराकी सुरक्षा सूत्रों की ओर से रॉयटर्स को इस बारे में जानकारी दी गई है। अमेरिकी सेना के खिलाफ फरवरी की शुरुआत के बाद यह पहला हमला है।

यह हमला इराकी प्रधानमंत्री मोहम्मद शिया अल-सुदानी के अमेरिका की यात्रा से लौटने और व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति जो बाइडेन से मुलाकात के एक दिन बाद हुआ है।

17 साल के ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने रचा इतिहास, विश्वनाथन आनंद के बाद कैंडिडेट्स जीतने वाले बने दूसरे भारतीय

नई दिल्ली। भारत के 17 साल के ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने कैंडिडेट्स चेस टूर्नामेंट में जीत हासिल करने के साथ एक नया इतिहास रच दिया है। वह विश्वनाथन आनंद के बाद इस टूर्नामेंट को जीतने वाले भारत के जहां दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं, तो वहीं दुनिया के सबसे कम उम्र के भी प्लेयर हैं जिन्होंने ये टूर्नामेंट जीता है। अब डी गुकेश का वर्ल्ड चैंपियनशिप के फाइनल में चीन के खिलाड़ी डिंग लिरेन से भिड़ंत होगी। गुकेश ने कैंडिडेट्स चेस टूर्नामेंट में अमेरिकी खिलाड़ी हिकारू नाकामुरा के खिलाफ अपना अंतिम दौर का मैच ड्रा पर खत्म करने के साथ 14 में से 9 अंक हासिल करने में सफल रहे। इस टूर्नामेंट का आयोजन मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन को चुनौती पेश करने वाले खिलाड़ी को चुनने के लिए किया जाता है।

चेन्नई से आने वाले 17 साल के डी गुकेश ने इस टूर्नामेंट को अपने नाम करने के साथ दिग्गज गैरी कास्परोव के 40 साल पुराने रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया, जिन्होंने उस समय वर्ल्ड चैंपियन को चुनौती पेश करने के लिए 22 साल की उम्र में क्वालीफाई किया था। डी गुकेश और अमेरिकी खिलाड़ी के बाद मैच 109 चालों तक चला जिसके बाद दोनों ड्रा करने पर अपनी सहमति जताई थी। इस टूर्नामेंट में डी गुकेश के प्रदर्शन को देखा जाए तो उन्होंने 5 मैचों में जहां जीत हासिल की तो उन्हें एक में हार का सामना करना पड़ा जो फ्रांस के खिलाफ अलिरेजा फिरौजा के खिलाफ मिली थी।

कैंडिडेट्स चेस टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन के लिए डी गुकेश को भारत के महान चेस खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद ने एक्स पर पोस्ट करते हुए बधाई देने के साथ अपनी खुशी को भी जताया। विश्वनाथन आनंद ने अपने पोस्ट में लिखा कि सबसे कम उम्र के चैलेंजर बनने के लिए डी गुकेश को बधाई। आपने जो किया है उस पर परिवार को बहुत गर्व है।

क्या 'बेईमानी' का शिकार हुई आरसीबी ?

नई दिल्ली। आईपीएल 2024 के 36वें मुकाबले में कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को एक रन से हरा दिया. केकेआर और आरसीबी के बीच यह मैच विवादों से भरा रहा. विराट कोहली को एक ऐसी गेंद पर आउट दिया गया जो देखने पर कमर से ऊपर की ऊंचाई वाली नो-बॉल जैसी लग रही थी. हालांकि, अंपायरों और ब्रॉडकास्टर ने फैसले को सही ठहराया, लेकिन विवाद अभी तक खत्म नहीं हुआ है.

एक तरफ फैंस कोहली के विवादास्पद आउट के बारे में बात कर रहे थे तो दूसरी ओर मैच का एक और वीडियो सामने आ गया है, जिसमें छक्के को लेकर विवाद हो गया है. वायरल वीडियो के सहारे फैंस कह रहे हैं कि आरसीबी को एक छक्के की जगह चार रन दिए गए थे. इस कारण टीम को 2 रन का नुकसान हुआ.

यह वीडियो मैच के 17वें ओवर की 5वीं गेंद का है, जब सुयश प्रभुदेसाई केकेआर के वरुण चक्रवर्ती का सामना कर रहे थे. उस समय नॉन-स्ट्राइकर पर दिनेश कार्तिक थे. सुयश ने गेंद को फाइन-लेग बाउंड्री की ओर मारा. अंपायरों ने चार रन का इशारा दिया, लेकिन फैंस को लगा कि गेंद बाउंड्री के पार गई थी. आरसीबी को अंत में 1 रन के मामूली अंतर से हार का सामना करना पड़ा. इस घटना पर बहस ने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है.

गेंद लाइन से पहले गिरी थी या बाद में, यह स्पष्ट नहीं है. अंपायरों ने बिना रीप्ले देखे ही अपना फैसल सुना दिया. इस फैसले से आरसीबी को सिर्फ 2 रन नहीं बल्कि मैच का नुकसान हुआ. दरअसल, मैदान पर मौजूद अंपायर ने फैसले के बारे में थर्ड अंपायर से पूछा था, लेकिन यह सब इतना जल्दी हुआ कि फैंस हैरान हो गए. स्क्रीन पर रीप्ले नहीं दिखाया गया.

दुनिया का सबसे अमीर मंदिर11 हजार किलो सोना, 19 हजार करोड़ रुपये कैश

नई दिल्ली। दुनिया के सबसे अमीर हिंदू मंदिर तिरुपति एक बार फिर से चर्चा में है. लॉर्ड वेंकटेश्वर स्वामी के मंदिर का प्रबंधन करने वाले न्यास तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम ने इस साल एक बार फिर हजार करोड़ रुपये से ज्यादा की एफडी कराई है.

टाइम्स ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार, मंदिर ट्रस्ट ने इस साल 1,161 करोड़ रुपये की एफडी कराई है. यह किसी भी एक साल में दुनिया के किसी मंदिर के द्वारा कराई गई सबसे बड़ी एफडी है. रिपोर्ट बताती है कि पिछले 12 सालों से यह टेंपल ट्रस्ट हर साल कम से कम 500 करोड़ रुपये की एफडी करा रहा है और ऐसा करने वाला संभवतः दुनिया का अकेला मंदिर है. इससे पहले 2023 में तिरुपति मंदिर के ट्रस्ट ने 757 करोड़ रुपये की एफडी कराई थी. पिछले 12 सालों में यह दूसरा ऐसा मौका है, जब किसी एक साल में तिरुपति मंदिर के ट्रस्ट ने 1000 करोड़ रुपये से ज्यादा की एफडी कराई हो. इससे पहले सबसे बड़ी रकम की एफडी का रिकॉर्ड 2016 में बना था, जब देवस्थानम ने बैंकों में एफडी के रूप में 1,153 करोड़ रुपये जमा किया था.

आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले 12 सालों में सिर्फ 3 ही ऐसे मौके आए हैं, जब तिरुपति टेंपल ट्रस्ट के द्वारा कराई गई एफडी की रकम 500 करोड़ रुपये से कम रही हो. उसमें 2021 और 2022 में तो कमी का कारण कोविड महामारी है, जिसके चलते मंदिरों में भी ताले लटक गए थे और दर्शनार्थियों की संख्या कम हो गई थी.

साल 2012 तक तिरुपति देवस्थानम की कुल एफडी की रकम 4,820 करोड़ रुपये थी. उसके बाद 2013से 2024 तक 12 सालों में 8,467 करोड़ रुपये की एफडी कराई गई. मंदिर से जुड़े अन्य ट्रस्टों जैसे श्री वेंकटेश्वर नित्य अन्नप्रसादम ट्रस्ट, श्री वेंकटेश्वर प्राणदानम ट्रस्ट आदि के पास 5,529 करोड़ रुपये के फंड जमा हैं. इस तरह देखें तो तिरुपति मंदिर के पास कैश रिजर्व अभी 18,817 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर है.

प्रथम पेज का शेष

0 लाल आतंक से मुक्त होगी धरती, अमित शाह...

छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद को पूरी तरह से खत्म कर दिया जाएगा। छत्तीसगढ़ के नक्सलियों को हम कहना चाहते हैं कि आप सरेंडर कर दीजिए अब भी वक्त है यदि अब भी नक्सलियों ने सरेंडर नहीं किया तो चिंता ना करें आने वाले दो साल में छत्तीसगढ़ की धरती लाल आतंक से मुक्त होगी।

0 निर्विरोध लोकसभा चुनाव जीतने वाले भाजपा के ...

जो उम्मीदवार बिना किसी मुकाबले के लोकसभा में पहुंचे हैं, उनमें से सबसे ज्यादा कांग्रेस से हैं. सिक्किम और श्रीनगर निर्वाचन क्षेत्रों में दो बार ऐसे निर्विरोध चुनाव हुए हैं.

0 छत्तीसगढ़ में पहली बार राजभवन में ठहरेंगे पीएम नरेंद्र मोदी....

मंगलवार शाम को पांच बजे धमतरी जिले के श्यामतराई गांव में एक अन्य चुनावी रैली को संबोधित करेंगे। मंगलवार को दो चुनावी सभाओं को संबोधित करने के बाद राजधानी रायपुर स्थित राजभवन में रात्रि विश्राम करेंगे। बीजेपी पदाधिकारियों के मुताबिक, पीएम मोदी बुधवार सुबह रायपुर से सरगुजा जिले के अंबिकापुर शहर के लिए रवाना होंगे। सुबह 11 बजे एक सभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद वहां से रायगढ़ होते हुए मध्य प्रदेश के लिए रवाना होंगे।

रायपुर जिले के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) लखन पटले ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी की 23 और 24 अप्रैल की दो दिवसीय यात्रा से पहले रायपुर शहर में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। सुरक्षा में कुल 600 जवानों की ड्यूटी लगाई गई है। एयरपोर्ट से लेकर राजभवन तक चप्पे-चप्पे पर जवान तैनात रहेंगे। सुरक्षा बलों को तैनात करने के अलावा दो हजार से अधिक फोर्स के जवानों की तैनाती की गई है।

पीएम मोदी के आगमन को लेकर ट्रैफिक एडवायजरी जारी

प्रधानमंत्री मोदी 23 अप्रैल को शाम 6 से 8 बजे के बीच माना एयरपोर्ट से फुंडहर चौक एक्सप्रेस-वे होकर शंकर नगर चौक से भगत सिंह चौक जीई रोड होकर राजभवन पहुंचेंगे। 24 अप्रैल को सुबह 8 से 10 बजे के बीच इसी मार्ग से वापस एयरपोर्ट के लिए जायेंगे। इस दौरान वीआईपी रोड में सामान्य आवागमन बाधित रहेगा। राम मंदिर से माना विमानतल तक वीआईपी रोड में भी सामान्य आवागमन बाधित रहेगा।

0 'भयंकर खतरे में बाबासाहेब अंबेडकर का संविधान'....

वह सूरत लोकसभा के 'मैच को फ़िक्स' करने का प्रयास कर रही है। इस सीट को वे लोग 1984 के लोकसभा चुनाव के बाद से लगातार जीतते आ रहे हैं। हमारे चुनाव, हमारा लोकतंत्र, बाबासाहेब अंबेडकर का संविधान सब कुछ भयंकर ख़तरे में हैं। मैं दोहरा रहा हूं-यह हमारे जीवनकाल का सबसे महत्वपूर्ण चुनाव है।

0 कांग्रेस ने ईसी से की प्रधानमंत्री की शिकायत...

ऐसे बयान की उम्मीद नहीं की जा सकती, आयोग को उन पर कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि देश में सांप्रदायिक सौहार्द है, सत्तारूढ़ दल केवल धर्म की बात करता है। प्रधानमंत्री ने राजस्थान में अल्पसंख्यकों को लेकर बयान दिया, उन्होंने मंगलसूत्र का प्रयोग किया, जो कि साफ तौर पर बताता है कि उनका मुखौटा केवल धार्मिक है।

कार्यक्रमों पर भी आपत्ति : चुनाव आयोग से कांग्रेस ने कुछ चैनलों पर दिखाए जा रहे कार्यक्रमों को लेकर भी शिकायत दर्ज कराई है। इसमें कार्यक्रमों के नाम व लिंक देकर उन पर उत्तेजित करने और भावनाओं को भड़काने का आरोप लगाया।

क्रेडिट कार्ड आपात स्थिति में मददगार, आसानी से दिलाता है कर्ज, किसी दस्तावेज की नहीं पड़ती जरूरत

नई दिल्ली। क्रेडिट कार्ड आपात स्थिति में वित्तीय रूप से काफी मददगार साबित होता है। यह एक टूल है, जो खर्च करने के तरीके को सुविधाजनक और फायदेमंद बनाता है। रिवॉर्ड पाइंट और कैशबैक समेत अन्य लाभ एवं सुविधाएं प्रदान करने के अलावा क्रेडिट कार्ड जरूरत पड़ने पर आपको आसानी से कर्ज भी दिला सकता है। क्रेडिट कार्ड पर कर्ज पर्सनल लोन की तरह होता है। इसमें बैंक क्रेडिट कार्डधारक को कार्ड की लिमिट के अनुसार कर्ज देते हैं। इसके लिए किसी दस्तावेज की जरूरत नहीं होती है, जिससे कर्ज लेने की प्रक्रिया सरल हो जाती है। कई बैंक न सिर्फ मौजूदा बल्कि नए ग्राहकों को भी क्रेडिट कार्ड पर कर्ज देते हैं।

कितना मिल सकता है कर्ज

कर्ज राशि क्रेडिट कार्ड की बची लिमिट पर निर्भर करती है। हालांकि, यह अलग-अलग क्रेडिट कार्ड और ऋणदाताओं के हिसाब से भिन्न हो सकती है। बची लिमिट के अनुसार ही बैंक आपको कर्ज देते हैं। अगर आपके

क्रेडिट कार्ड की कुल लिमिट एक लाख रुपये है और आपने उसमें से 30,000 रुपये का इस्तेमाल कर लिया है तो बाकी बची 70,000 रुपये की लिमिट पर ही कर्ज मिलेगा।

ब्याज दर व प्रोसेसिंग शुल्क

क्रेडिट कार्ड कर्ज पर ब्याज दर पर्सनल लोन जितनी होती है। अगर पर्सनल लोन पर ब्याज दर 13 फीसदी है तो बैंक इसी दर पर क्रेडिट कार्ड कर्ज देंगे। कई बार ऐसे कर्ज पर अधिक ब्याज भी लगता है। यह काफी हद तक बैंक के नियम और शर्तों पर निर्भर करता है। क्रेडिट कार्ड पर कर्ज लेने के लिए आपको प्रोसेसिंग शुल्क का भी भुगतान करना पड़ता है।?यह शुल्क कर्ज राशि का 3 फीसदी तक हो सकता है।

पात्रता और भुगतान अवधि

क्रेडिट कार्ड कर्ज को प्री-अप्रूव्ड लोन के रूप में पेश किया जाता है। कुछ बैंक आपकी भुगतान हिस्ट्री और खर्च करने की आदतों के आधार पर पात्रता का आकलन करते हैं। कर्ज की भुगतान अवधि आपके बैंक और क्रेडिट कार्ड के प्रकार पर निर्भर करती है। सामान्य तौर पर भुगतान अवधि 60 से 90 दिनों तक की होती है।

लिमिट से अधिक कर्ज के लिए न करें आवेदन

क्रेडिट कार्ड पर कर्ज लेना चाहते हैं तो ध्यान रखें कि जिस लोन के लिए आपने आवेदन किया है, वह रकम कार्ड की क्रेडिट/निकासी सीमा से अधिक न हो। ऐसा होने पर बैंक कई बार आपके क्रेडिट कार्ड को अस्थायी तौर पर निलंबित कर देते हैं। इसके अलावा, क्रेडिट कार्ड पर कर्ज लेते समय ब्याज दर, पुनर्भुगतान अवधि, प्रोसेसिंग शुल्क व अन्य दरों की जानकारी जरूर लें। - आदिल शेट्टी, सीईओ, बैंक बाजार

जोमैटो ने अनिवार्य प्लेटफॉर्म शुल्क बढ़ाकर पांच रुपये किया

नई दिल्ली । ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म जोमैटो ने अपना प्लेटफॉर्म शुल्क 25 फीसदी बढ़ाकर पांच रुपये प्रति ऑर्डर कर दिया है।

ज़ोमैटो ने पिछले साल अगस्त में दो रुपये का प्लेटफ़ॉर्म शुल्क शुरू किया था और बाद में इसे बढ़ाकर तीन रुपये कर दिया था। नए साल की पूर्व संध्या पर रिकॉर्ड खाद्य ऑर्डरों से उत्साहित होकर उसने जनवरी में प्रमुख बाजारों में अपने अनिवार्य प्लेटफ़ॉर्म शुल्क को तीन रुपये प्रति ऑर्डर से बढ़ाकर चार रुपये कर दिया। नया प्लेटफ़ॉर्म शुल्क ज़ोमैटो गोल्ड सहित सभी ग्राहकों पर लगाया गया है।

इस बीच, कंपनी ने अपनी इंटर-सिटी फूड डिलीवरी सेवा इंटरसिटी लीजेंड्स को निलंबित कर दिया है।

एक साल में दो बार क्यों मनाया जाता है हनुमान जन्मोत्सव ?

हनुमान जन्मोत्सव का पर्व बेहद शुभ माना जाता है। इसका हिंदुओं में बड़ा धार्मिक महत्व है। यह दिन भगवान हनुमान के जन्म का प्रतीक है। ऐसा माना जाता है कि इस दिन भाव के साथ पूजा करने से शुभ फलों की प्राप्ति होती है। भक्त इस दिन को बहुत खुशी और उत्साह के साथ मनाते हैं। बता दें बजरंगबली का जन्म राजा केसरी और माता अंजनी से हुआ था।

हनुमान जन्मोत्सव का दिन अपार भक्ति और श्रद्धा का प्रतीक है। यह हर साल दो बार मनाया जाता है। एक चैत्र माह की पूर्णिमा और दूसरी कार्तिक माह की चतुर्दशी तिथि को। इस बार यह 23 अप्रैल, 2024 दिन मंगलवार को मनाया जाएगा। राम भक्त हनुमान जी के जन्म को लेकर भक्तों के मन में यह सवाल हर साल आता है कि आखिर उनका जन्म साल में दो बार क्यों मनाया जाता है ? ऐसे में आज हम बजरंगबली के भक्तों की यह दुविधा दूर करते हुए इसके पीछे का रहस्य बताएंगे, जो यहां विस्तार से दिया गया है।

चैत्र मास में इस वजह से मनाया जाता है हनुमान जन्मोत्सव

ग्रंथों के अनुसार, एक बार भूख से बेहाल बाल हनुमान ने भोजन की लालसा में फल समझकर सूर्यदेव को निगल लिया था, जब इंद्रदेव ने उन्हें भगवान सूर्य को मुख से निकालने को कहा, तो उन्होंने मना कर दिया, जिसके चलते देवराज इंद्र क्रोध में आ गए और उन्होंने हनुमान जी पर वज्र से प्रहार कर दिया, जिससे वे मूर्छित हो गए। इस वाक्य को देख पवनदेव क्रोधित हो गए और उन्होंने पूरे जगत से वायु का प्रवाह रोक दिया।

इसके बाद ब्रह्मा जी और अन्य देवताओं ने अंजनी पुत्र को दूसरा जीवन प्रदान किया और अपनी-अपनी कुछ दिव्य शक्तियां भी दी। यह घटना चैत्र मास की पूर्णिमा तिथि के दौरान हुई थी, तभी से इस दिन को भी हनुमान जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाने लगा।

इस दिन जन्मे थे अंजनी पुत्र

पौराणिक कथाओं के अनुसार, कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को वीर हनुमान का जन्म मां अंजनी के गर्भ से हुआ था। कहा जाता है उनके जन्म के समय कई प्रकार के शुभ संयोग बन रहे थे, जिनका एक साथ बनना बेहद दुर्लभ माना जाता है।

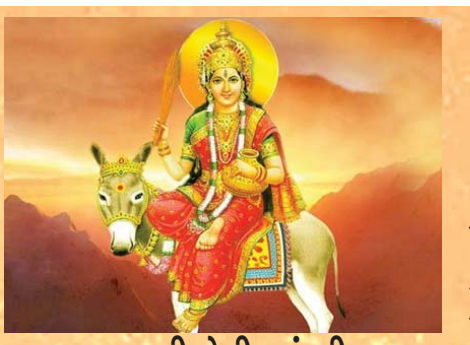

शुद्धता की देवी मां शीतला शरण आए जरूरतमंदों का करती हैं कल्याण

पौराणिक मान्यता है कि जो व्यक्ति माता की आराधना पूर्णमनोयोग से करता है उससे शीतला देवी प्रसन्न होती हैं और उन पर अपनी कृपा बरसाती हैं जिससे व्रती के कुल में दाहज्वर पीतज्वर विस्फोटक फोड़े नेत्रों के रोग शीतला की फुंसियों के चिह्न तथा शीतलाजनित दोष दूर हो जाते हैं। मान्यता है कि वह अनेक बीमारियों से हमारी व हमारे परिवार की रक्षा करती हैं।

डा. प्रणव पंड्या (प्रमुख, अखिल विश्व गायत्री परिवार, हरिद्वार)। घरों में माता शीतला की किसी न किसी रूप में पूजा-आराधना होती है।

शीतला माता यानी पर्यावरण की शुद्धीकरण की देवी, जो सृष्टि को विषाणुओं से बचाने का संदेश देती है। माता को साफ-सफाई, स्वच्छता और शीतलता का प्रतीक माना जाता है। माता की छाया शीतलता प्रदान करने वाली और पीड़ा हरने वाली है।

स्कंद पुराण में इनकी अर्चना का स्तोत्र शीतलाष्टक के रूप में प्राप्त होता है। ऐसा माना जाता है कि इस स्तोत्र की रचना भगवान शंकर ने लोकहित में की थी। उन्हें देवी पार्वती के अवतार के रूप में माना जाता है। शीतलाष्टक शीतला देवी की महिमा गान करता है, साथ ही उनकी उपासना के लिए भक्तों को प्रेरित भी करता है। शास्त्रों में भगवती शीतला की वंदना के लिए यह मंत्र बताया है-

वन्देऽहंशीतलांदेवीं रासभस्थांदिगम्बराम्॥
मार्जनीकलशोपेतां सूर्पालंकृतमस्तकाम्॥

अर्थात गर्दभ पर विराजमान, दिगंबरा, हाथ में झाड़ू तथा कलश धारण करने वाली, सूप से अलंकृत मस्तक वाली भगवती शीतला की मैं वंदना करता हूं। माता शीतला स्वच्छता की अधिष्ठात्री देवी हैं। पौराणिक मान्यता है कि जो व्यक्ति माता की आराधना पूर्णमनोयोग से करता है, उससे शीतला देवी प्रसन्न होती हैं और उन पर अपनी कृपा बरसाती हैं, जिससे व्रती के कुल में दाहज्वर, पीतज्वर, विस्फोटक, फोड़े, नेत्रों के रोग, शीतला की फुंसियों के चिह्न तथा शीतलाजनित दोष दूर हो

वैशाख में अक्षय तृतीया, भौमवती अमावस्या कब ?

24 अप्रैल 2024 से वैशाख का महीना शुरू हो रहा है, जिसकी समाप्ति 23 मई 2024 को होगी. वैशाख में कृष्ण के माधव रूप की पूजा की जाती है. इसलिए इसे माधव मास भी कहते हैं. इस महीने सभी देवी-देवता जल में वास करते हैं. ये महीना स्नान-दान, मांगलिक कार्य, जल दान के लिए बेहद फलदायी माना गया है. हिंदू नववर्ष के दूसरे माह वैशाख में अक्षय पुण्य देने वाली अक्षय तृतीया, वरुथिनी एकादशी, भौमवती अमावस्या, बुद्ध पूर्णिमा, सीता नवमी, परशुराम जयंती, नृसिंह जयंती, वैशाख अमावस्या, मोहिनी एकादशी आदि व्रत त्योहार आएंगी.

आइनए जानते हैं वैशाख माह 2024 के व्रत त्योहार की लिस्ट.

वैशाख व्रत-त्योहार 2024

24 अप्रैल 2024 (बुधवार)	वैशाख शुरू
27 अप्रैल 2024 (शनिवार)	विकट संकष्टी चतुर्थी
2 मई 2024 (गुरुवार)	पंचक शुरू
4 मई 2024 (शनिवार)	वरुथिनी एकादशी, वल्लभाचार्य जयंती
5 मई 2024 (रविवार)	प्रदोष व्रत (कृष्ण)
6 मई 2024 (सोमवार)	मासिक शिवरात्रि
8 मई 2024 (मंगलवार)	वैशाख अमावस्या, टैगोर जयंती
10 मई 2024 (बुधवार)	अक्षय तृतीया, परशुराम जयंती
11 मई 2024 (गुरुवार)	विनायक चतुर्थी
12 मई 2024 (शुक्रवार)	शंकराचार्य जयंती, रामानुज जयंती
14 मई 2024 (मंगलवार)	वृष संक्रांति, गंगा सप्तमी
15 मई 2024 (बुधवार)	बगलामुखी जयंती
17 मई 2024 (शुक्रवार)	सीता नवमी
19 मई 2024 (रविवार)	मोहिनी एकादशी
20 मई 2024 (सोमवार)	प्रदोष व्रत (शुक्ल)
22 मई 2024 (बुधवार)	नरसिंह जयंती, छिन्नमस्ता जयंती
23 मई 2024 (गुरुवार)	वैशाख पूर्णिमा व्रत, बुद्ध पूर्णिमा

वैशाख में करें इन देवताओं की पूजा

वैशाख महीने में भगवान विष्णु के अवतारों की विशेष पूजा करने का विधान है. शास्त्रों के अनुसार विष्णु जी ने इसी महीने में परशुराम अवतार लिया था, इनके पूजन से शत्रु पर विजय प्राप्त होती है संकट दूर होता है. साथ ही वैशाख माह में नृसिंह, कूर्म और बुद्ध अवतार की पूजा करने की परंपरा है.धार्मिक मान्यता है कि बुद्ध पूर्णिमा यानी वैशाख पूर्णिमा पर भगवान विष्णु जी के बुद्ध अवतार लिया था. इस पवित्र महीने में पीपल की पूजा सुबह जल्दी करना चाहिए, इसमें विष्णु लक्ष्मी जी वास करते हैं. साथ ही सुबह और शाम दोनों समय तुलसी की पूजा की जाती है और दीपक लगाया जाता है.

जीवन दर्शन : जीवन में हमेशा रहना चाहते हैं सुखी और प्रसन्न, तो इन बातों को जरूर करें आत्मसात

सकल विश्व को अपना परिवार मानें। धर्म का पालन करें। सत्य दया दूसरों को आदर-सम्मान देने जैसे गुणों भरा जीवन हो। फलोन्मुख होने के बजाय कर्मोन्मुख बनें। कर्म को पूरी एकाग्रता के साथ करेंगे तो कर्म उत्तम होगा। अपने तर्क और श्रद्धा-विश्वास को बराबर महत्त्व दें। वस्तुनिष्ठ बाह्य जगत और आत्मनिष्ठ आंतरिक जगत में दिल और दिमाग में संतुलन हो। माता अमृतानंदमयी (प्रसिद्ध आध्यात्मिक गुरु): कुछ लोगों को जानने की चाह है कि प्रसन्न कैसे रहें और प्रसन्न रहने के पीछे रहस्य क्या है। अगर प्रसन्नता के पीछे कोई रहस्य है, तो यह कि यह जगत की वस्तुओं में नहीं होता, बल्कि हमारे अपने भीतर होता है। हम स्वयं आनंद का स्रोत हैं। यदि सुख वस्तुओं में होता तो सबको इनसे ही सुख मिल गया होता! लेकिन देखने में आता है कि वस्तुओं से सुख नहीं मिलता। सुख यदि आइसक्रीम में होता तो सबको हर समय आइसक्रीम की ही चाह होती। लेकिन दो बार के बाद तीसरी, चौथी या पांचवीं आइसक्रीम खाने का आग्रह करो तो यही आइसक्रीम दुख का कारण बन जाती है!

वस्तुत : हमारा वस्तुओं पर सुख को आरोपित करना वैसा ही है, जैसे कुत्ता सोचता है कि सूखी हड्डी में उसे रक्त का स्वाद आ रहा है, जबकि स्वाद उसे अपने ही मसूढ़ों से रिसते रक्त का आता है। भ्रमित कुत्ता हड्डी को चबाए जाता है। यदि लगातार यह रक्त बहता रहे, तो वह एक समय मर भी सकता है। हमें यह सत्य समझना चाहिए कि सुख वस्तुओं में नहीं है, बल्कि हम में ही है। हम स्वयं ही सुख का स्रोत हैं। इस ज्ञान से ही हमें अपनी इच्छाओं पर नियंत्रण पाने में सहायता मिलती है।

इस सत्य को आत्मसात करने पर हम अधिक शांत हो जाते हैं और वह शांति आंतरिक आनंद की अनुभूति में सहायक होती है। अपने भीतर की शांति बढ़ाने के लिए हम कुछ बातों का अभ्यास कर सकते हैं, जैसे-संतोष का अभ्यास करें। जो अपने पास है, उसमें संतुष्ट रहें। निस्स्वार्थता का अभ्यास करें। केवल लेते न रहें, बल्कि दें भी। धन कमाएं, लेकिन समाज को उसका हिस्सा लौटाना भी सीखें। सकल विश्व को अपना परिवार मानें। धर्म का पालन करें। सत्य, दया, दूसरों को आदर-सम्मान देने जैसे गुणों भरा जीवन हो। फलोन्मुख होने के बजाय कर्मोन्मुख बनें। कर्म को पूरी एकाग्रता के साथ करेंगे तो कर्म उत्तम होगा। अपने तर्क और श्रद्धा-विश्वास को बराबर महत्त्व दें। वस्तुनिष्ठ बाह्य जगत और आत्मनिष्ठ आंतरिक जगत में, दिल और दिमाग में संतुलन हो। प्रतिदिन थोड़ा सा समय ध्यान में बैठें और अपने जीवन के लिए ईश्वर का आभार व्यक्त करें। यदि हममें ये आदतें आ जाएं तो हमारा सत्स्वरूप सुख बाहर व्यक्त होने लगेगा। यह हमारे हृदय में और दूसरों के साथ हमारे व्यवहार में जगमगा उठेगा... ? लोका: समस्ता: सुखिनो भवंतु।

बजरंगबली को लगाएं इन चीजों का भोग

राम भक्त हनुमान जी चिरंजीवी हैं. मान्यता है हनुमान जी की भक्ति करने से सभी प्रकार के भय, रोग, पीड़ा और हर तरह की निगेटिव एनर्जी से मुक्ति मिलती है. वैसे हनुमान जी भाव के भूखें हैं. जो सच्चे मन से इनका गुणगान करता है उसकी बड़ी से बड़ी समस्या चुटकियों में हल हो जाती है लेकिन हनुमान जन्मोत्सव पर बजरंगबली को कुछ खास चीजों का भोग लगाएं, इससे वह जल्द प्रसन्न होते है.

हनुमान जयंती के भोग

मीठी बूंदी - हनुमान जी को मीठी बूंदी या उससे बने लड्डू सबसे अधिक प्रिय है. हनुमान जयंती के दिन बजरंगबली को बूंदी का भोग लगाएं और फिर इसे परिवार सहित जरूरतमंदों में भी बांटे. संभव हो तो बंदर को भी बूंदी दें. मान्यता है इससे बिगड़े काम बन जाते हैं.

पान का बीड़ा- हनुमान जन्मोत्सव को पूजा में पवनपुत्र हनुमान जी को पान का बीड़ा अर्पित करें. कलियुग में हनुमान जी सबसे प्रभावशाली देवता के रूप में जाने गए हैं. जो इनके प्रति सच्ची श्रद्धा रखता है वह उसे हर पीड़ा से मुक्त कराने का बीड़ा उठाते हैं. ऐसे में आप सच्चे भाव से बजरंगी को हनुमान जयंती के दिन मीठा पान का बीड़ा चढ़ाए.

वास्तु के अनुसार घर में रखेंगे ये शुभ चीजें

वास्तु शास्त्र, में ऐसी कई चीज बताई गई हैं, जिन्हें घर में रखने से व्यक्ति को जीवन में पॉजिटिव चेंज देखने को मिल सकता है। ऐसे में यदि आप वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में इन शुभ मानी गई चीजों को रखते हैं, तो इससे आपको धन संबंधी समस्याओं से मुक्ति मिल सकती है। आइए जानते हैं कि वास्तु शास्त्र में घर में किन चीजों को रखना शुभ माना गया है।

बनी रहेगी लक्ष्मी जी कृपा

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में लघु नारियल यानी श्रीफल जरूर रखना चाहिए। ऐसा करने से आपको अपनी आर्थिक

स्थिति में लाभ देखने को मिल सकता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, जिस घर में श्रीफल रखा जाता है, वहां मां लक्ष्मी जी का वास सदैव बना रहता है, जिससे साधक को धन की कमी का सामना नहीं करना पड़ता।

मंदिर में रखें ये चीज

हिंदू धर्म में शंख को भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी का प्रिय माना गया है। ऐसे में आप अपने मंदिर में वास्तु के अनुसार, शंख रख सकते हैं। माना जाता है कि मंदिर में शंख रखने से व्यक्ति को वास्तु दोष से छुटकारा मिल सकता है, जिससे धन संबंधी समस्याओं से भी मुक्ति मिलने लगती है।

घर की इस दिशा में रखें कछुआ

वास्तु शास्त्र की मानें, तो घर में धातु का कछुआ रखना बहुत शुभ होता है। इसके लिए आप चांदी, पीतल या तांबे का कछुआ घर में रख सकते हैं। ऐसा करने से आपको आर्थिक तंगी से राहत मिल सकती है। शास्त्रों में कछुए को भगवान विष्णु का अवतार माना गया है। ध्यान रखें कि कछुए को घर की उत्तर दिशा में रखना चाहिए।

लकी लोगों के हाथ में होती है 'विष्णु रेखा', घोर गरीबी से निकालकर बनाती है करोड़पति

हाथ की रेखाएं, निशान, हथेली की बनावट, उसका रंग व्यक्ति की पर्सनालिटी से लेकर उसके भविष्य के बारे में काफी कुछ बताता है. हस्तरेखा शास्त्र में इन रेखाओं, निशान आदि के जरिए जातक के बारे में जानने के तरीके बताए गए हैं. साथ ही इनसे मिलने वाले शुभ-अशुभ संकेतों के बारे में भी बताया गया है. आज हम हथेली की एक ऐसी शुभ रेखा के बारे में जानते हैं, जो बेहद सौभाग्यशाली लोगों के हाथ में ही होती है. यह रेखा है - विष्णु रेखा.

जिस व्यक्ति के हाथ में विष्णु रेखा हो वह बेहद धनवान बनता है, साथ ही उसे दुनिया के सारे सुख, ऊंचा पद और मान-सम्मान भी मिलता है. आइए जानते हैं विष्णु रेखा कहां होती है और कैसे यह व्यक्ति को सौभाग्यशाली बनाती है.

हथेली में हृदय रेखा से कोई रेखा निकलकर गुरु पर्वत तक इस तरह जाए कि हृदय रेखा 2 भागों में बंटी नजर आए तो उसे विष्णु रेखा कहते हैं. जिस व्यक्ति के हाथ में यह रेखा होती है, उस पर भगवान विष्णु की विशेष कृपा रहती है इसलिए इसे विष्णु रेखा कहा जाता है. साथ ही ऐसे व्यक्ति का गुरु ग्रह भी बहुत मजबूत होता है. गुरु ग्रह धन, सौभाग्य, सुख, संतान, ज्ञान, सम्मान का कारक होता है. इसलिए जिस व्यक्ति के हाथ में यह विष्णु रेखा हो वह बहुत सौभाग्यशाली होता है.

जीवन में नहीं भुगतने पड़ते कष्ट

हाथ में विष्णु रेखा का होना जातक को लकी बनाता है. साथ ही ऐसे व्यक्ति के जीवन में कष्ट भी ना के बराबर ही आते हैं. इन लोगों को भगवान विष्णु की कृपा से जीवन में सारे सुख आसानी से मिल जाते हैं. ये लोग काफी ज्ञानी होते हैं और अपने ज्ञान की दम पर सम्मान पाते हैं.

खालिस छत्तीसगढ़ी भूपेश बघेल मतदाताओं के भरोसेमंद बने रहेंगे ?

राजनांदगांव (दावा)। राजनीति का मोदी युग पिछले 10 सालों में देशवासियों ने देखा। अब आगे यह युग आगे कदम बढ़ायेगा या नहीं ? यह 4 जून को आने वाले चुनावी परिणाम बतायेंगे। ''मोदी की गारन्टी'' के नारे के बीच राजनांदगांव संसदीय सीट से कांग्रेस के उम्मीदवार के रूप में छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल चुनावी मैदान में ताल ठोंक रहे हैं।

भूपेश बघेल खालिस छत्तीसगढ़ी हैं। इसलिए उन्हें क्षेत्र के मूल निवासियों के बीच रमने में कोई दिक्कत नहीं आ रही है। छत्तीसगढ़ की संस्कृति, लोककलाएं, छत्तीसगढ़ का खान-पान, व्यंजन, धार्मिक अनुष्ठान व लोक-परम्पराओं के उत्सव में सक्रिय भागीदारी के जरिए वे जनमानस के दिलोदिमाग में यह बात बिठा चुके हैं कि वे उनसे अलग नहीं हैं। उनके बीच के ही हैं, उनके जैसे ही हैं। मुख्यमंत्री के रूप में उन्हें विधानसभा में ''हमारे राम, तुम्हारे राम'' पर जोरदार बहस करते हुवे भी देखा तो दूसरी ओर ''गोवर्धन उत्सव'' को गौठान दिवस के रूप में मनाया। छत्तीसगढ़ में राम वन-गमन-पथ चिन्हित कर उन्होंने धर्म के प्रति अपनी आस्था जताई। पूर्व की कांग्रेस की भूपेश बघेल सरकार का प्राथमिक लक्ष्य गांवों को हर दृष्टि से आत्मनिर्भर बनाना व आधुनिक सुविधाओं से लैस करना था। गत विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की अप्रत्याशित हार का कारण यह था कि 'भूपेश के भरोसे' पर भ्रष्टाचार की सेंध लगाने में भारतीय जनता पार्टी कामयाब हो गई थी।

नतीजतन भूपेश सरकार ढह गई। अब चूंकि भूपेश बघेल जो कांग्रेस आलाकमान के करीबी हैं, उन्हें घेरने भाजपा फिर अपने तरकश के तमाम तीरों से उन पर प्रहार कर रही है। भूपेश इन प्रहारों से किस तरह अपने को बचाते हैं और अपने जीत के लक्ष्य को सिद्ध करते हैं? यह चुनाव परिणाम बतायेगा। कांग्रेस और कांग्रेस के प्रत्याशी आर्थिक संकट से जुझ रहे हैं। चुनाव जीतने 'पैसा ईश्वर तो नहीं लेकिन ईश्वर से कम भी नहीं', यह भाजपा नेता स्व. दिलीप सिंह जुदेव का डायलाग आज भी प्रासंगिक है। ''जीत -हार'' में पैसों की अहमियत को कम करके तो नहीं आंका जा सकता।

भूपेश बघेल के पक्ष में कांग्रेस की नेता प्रियंका गांधी की सभा क्षेत्र में हुई है। बेरोजगारी, महंगाई और कांग्रेस की महत्वपूर्ण जनहित की योजनाएं बंद होने से ग्रामीण क्षेत्रों में नाराजगी देखने को मिल रही है। यह भूपेश बघेल का प्लस प्वाइंट है। वैसे बघेल भाजपा का डटकर मुकाबला कर रहे हैं।

क्या भाजपा ने लंगड़े घोड़े पर दांव लगाया ?

राजनांदगांव (दावा)। ''चार सौ पार'' का ऐलान भाजपा कर चुकी है। राजनांदगांव इस मामले में भाजपा की जीत को लेकर अपवाद बना है। भाजपा और आर.एस.एस. के रणनीतिक गुरू और उनके चेले भाजपा प्रत्याशी संतोष पांडे को जिताने, अनथक प्रयत्न कर रहे हैं। भाजपा के स्थानीय क्षत्रपों ने भी जीत को प्रतिष्ठा का प्रश्न बनाया है और वे मुस्तैदी से मैदान में हैं।

लाद दे, लदा दे, दिल्ली पहुंचा दे !

भाजपा के स्टार प्रचारकों में अमित शाह, योगी आदित्यनाथ की सभाएं राजनांदगांव संसदीय क्षेत्र में हो चुकी है। छत्तीसगढ़ सुबे के मुखिया विष्णुदेव साय भी संतोष पांडे को जिताने खून-पसीना बहा रहे हैं।

इसके बावजुद, भाजपा उम्मीदवार संतोष पांडे क्षेत्र के दूसरी मर्तबे सांसद चुने जायेंगे? यह सवाल उठा है। अपने पिछले पांच सालों में जनसम्पर्क से अछूते, क्षेत्र के दौरे में अरूचि, पार्टी कार्यकर्ताओं को देखते ही बिदकने वाले पांडे चुनावी मैदान में हैं तो केवल 'मोदी मैजिक' के सहारे। 'मोदी की गारन्टी' और 'सनातन' का राग अलापते हुवे वे कांग्रेस को चुनौती दे रहे हैं। निःसंदेह, संतोष पांडे ने सांसद निधि का क्षेत्र के विकास के मद्देनजर सौ फिसदी खर्च किया है। किन्तु, इसमें अधिकतम राशि कबीरधाम जिले में खर्च किया। राजनांदगांव जिले के क्षेत्रीय विकास में उन्होंने कोई रूचि नहीं दिखाई है। सांसद निधि बाबत भी यह कि चंद भुक्तभोगियों ने सांसद पर दस प्रतिशत की वसूली करने का आरोप लगाया है।

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ से जुड़े संतोष पांडे वाकपटु हैं, जिसे मतदाता 'बोल बच्चन' से नवाज रही है। भाजपा राजनांदगांव संसदीय क्षेत्र से उम्मीदवार को खड़ा करती तो इकतरफा उसके जीतने के अवसर थे। बहरहाल यहां कांग्रेस और भाजपा में कांटे की टक्कर है।

मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए कमल फूल का बटन दबाए- विष्णुदेव साय

राजनांदगाँव (दावा)। भाजपा के प्रत्याशी संतोष पांडे का चुनाव प्रचार अभियान आज पूरे उफान पर रहा जब प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने नंदई चौक से चुनावी सभाओं को संबोधित करने का अपना अभियान प्रारंभ किया फिर वे लखोली, चिखली, मोतीपुर में चुनावी सभाए लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए कमल फूल छाप का बटन दबाने का आग्रह किया।

भाजपा मीडिया सेल प्रभारी योगेश दत्त मिश्रा द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार श्री साय ने अपने सम्बोधन में आगे कहा की प्रधानमंत्री मोदी जी ने अपने दस वर्षों के कार्यकाल में बड़े-बड़े कार्य किए जो देश के लोगों को असंभव लगता था कश्मीर से धारा 370 हटाई गई, कहते थे धारा 370 हटी तो खून की नदिया बह जाएगी किन्तु मोदी जी ने तमाम धमकियों को दरकिनार करते हुए धारा 370 खत्म कर कश्मीर को देश की मुख्यधारा से जोड़ दिया राम मंदिर निर्माण को लेकर भी तमाम अड़ंगे लगाए जाते रहे, धमकियाँ दी जाती रही। यहां तक की मंदिर निर्माण पर देश तोड़ने की बात होती रही किन्तु मोदी जी ने तमाम रुकावटों को दूर कर पूर्वजों के पाँच सौ सालों के संघर्ष का स्मरण करते हुए अंततः मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त किया तीन तलाक की प्रथा खत्म की, सीएए लागू किया देश को मजबूत आर्थिक आधार देते हुए उसे विश्व की पाँचवी आर्थिक महाशक्ति बना दिया, सेना का आधुनिकीकरण किया, सीमाओं को मजबूत किया देश में इंफ्रास्ट्रक्चर के ऐतिहासिक कार्य हुए, देश को आंतरिक व बाहरी खतरों से मुक्त कराया आतंकवाद को कुचल कर रख दिया और तो और उन्हे गरीबों, किसानों, मध्यम वर्गियों, मजदूरों की भी खासी चिंता रही 80 करोड़ देशवासियों को मुफ्त राशन देने की योजना शुरू की किसानों को किसान सम्माननिधि से नवाजा, मजदूरों के लिए अनेक जीवनदायी योजनाए शुरू की, परिणाम स्वरूप 25 करोड़ से अधिक देशवासी गरीबी रेखा से ऊपर उठे आम लोगों की जिंदगी आसान हुई किन्तु अभी देश के लिए बहुत कुछ किया जाना बाकी हैं। मोदी जी ने अभी तो भ्रष्टाचार और परिवारवाद के खिलाफ टेलर दिखाया हैं, जब वे तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेगे तो असली फिल्म चालू होगी और देश आर्थिक विकास की नई ऊचाईयों को प्राप्त करते हुए विश्व की तीसरी आर्थिक महाशक्ति बनेगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कांग्रेस प्रत्याशी भूपेश बघेल पर करारा हमला बोलते हुए कहा कि भ्रष्टाचार का नाम यदि गिनीज बुक में आए तो भूपेश बघेल का नाम उसमें अपने आप शामिल हो जाएगा। महादेव सटटा एप में 508 करोड़ रुपए लेने के मामले में उन पर एफआईआर हैं, उनके सहयोगी रहे लोग जेलों में बंद हैं अनेक लोगों पर कार्यवाही हुई हैं श्री बघेल की वजह से पूरे देश में छत्तीसगढ़ शर्मसार हुआ हैं उन्होंने जनता को याद दिलाते हुए कहा कि कांग्रेस ने गंगा जल उठाकर प्रदेश की जनता के साथ छत्तीस वायदे किए थे किन्तु एक भी वायदा पूरा नहीं किया इसके उलट छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार ने सत्ता के तीन महीनों में ही मोदी गारंटी के तहत अपने वायदे पूरे किए किसानों को दो साल का बोनस दिया गया महतारी वंदन योजना में महिलाओं को एक हजार रुपए महिना दिया जा रहा है, किसानों के धन की 3100 रुपए में खरीदी की गई तेंदू पत्ता मजदूरों की मजदूरी बढ़ाई गई 18 लाख नये आवासों को स्वीकृति दी गई जनहित के सारे कार्य भाजपा पूरा करेगी लोकसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी संतोष पांडे भारी मतों से विजयी बनाये। सभा को संतोष पांडे ने संबोधित किया। सभा का संचालन कोमल सिंह राजपूत ने भी किया।

मई के पहले सप्ताह में जारी होगा सीजी बोर्ड के 10वीं और 12वीं का रिजल्ट

रायपुर(दावा)। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल यानी सीजी बोर्ड के 10वीं और 12वीं के परिणाम मई के पहले सप्ताह में जारी होंगे। माशिमं ने बोर्ड परीक्षा परिणाम को लेकर पूरी तैयारी कर ली है। 10वीं और 12वीं के रिजल्ट 7 मई तक जारी हो सकते हैं। कॉपियों के मूल्यांकन का कार्य 14 अप्रैल को पूरा हो चुका है। रिजल्ट ऑनलाइन माध्यम से बोर्ड अध्यक्ष की ओर से प्रेस कॉन्फ्रेंस में घोषित किया जायेगा। इसके बाद उसका लिंक ऑफिशियल वेबसाइट cgbse.nic.in पर डाल दिया जाएगा। ताकि छात्र रोल नंबर से अपने रिजल्ट चेक कर सके।

हालांकि बोर्ड की ओर से परीक्षा के परिणाम की तारीखों के बारे में कोई भी अधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है, लेकिन अमर उजाला से खास बातचीत में छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल की सचिव पुष्पा साहू ने बताया कि कॉपियों के मूल्यांकन का कार्य हो जाने से 10 दिन के अंदर रिजल्ट तैयार हो सकता है। ऐसे में एक या सात मई तक परीक्षा परिणाम जारी किये जा सकते हैं।

लोकसभा चुनाव होने से जल्द हो गई बोर्ड परीक्षाएं

बोर्ड परीक्षाएं एक मार्च से 23 मार्च तक हुई थी। जहां 10वीं की परीक्षा 2 मार्च शुरू होकर 21 मार्च को खत्म हुई। वहीं 12वीं की परीक्षा 1 मार्च से 23 मार्च तक चली। इस बार लोकसभा चुनाव होने की वजह से जल्द ही बोर्ड परीक्षाएं समाप्त हो गई। बोर्ड परीक्षा जल्द खत्म होने से मूल्यांकन भी 14 अप्रैल तक पूरा हो चुका है। 10वीं में इस बार 3 लाख 45 हजार छात्रों ने परीक्षा के लिए रजिस्ट्रेशन कराया है। इसी तरह 12वीं में 2 लाख 55 हजार छात्रों ने पंजीयन कराया है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक व मुद्रक दीपक कुमार बुद्धदेव द्वारा स्वस्तिक ऑफसेट एण्ड स्क्रीन प्रिंटर्स, बल्देवबाग रोड, राजनांदगांव से मुद्रित कर प्रकाशित। सम्पादक दीपक कुमार बुद्धदेव।
* समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार। * किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र राजनांदगांव रहेगा। फोन नं. - 07744-406631 e-mail : dainikdawa_rjn@yahoo.com